www.shabdawanisamachar.page

राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

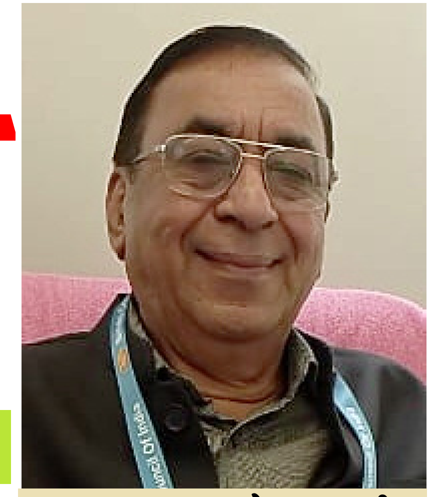

वर्षः 24 अंकः 260 नई दिल्ली, बुधवार, 15 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

सार संक्षेप

चारा घोटाला मामले में लालू को मिली राहत बरकरार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के देवघर कोषागार से अवैध निकासी से संबंधित मामले में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को झारखंड हाईकोर्ट से मिली राहत बरकरार रखी है। चारा घोटाले के इस मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत देते हुए अंतिम फैसला आने तक सजा निलंबित रखी थी। सुप्रीमो कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट को वह इस मामले में लालू प्रसाद यादव की लंबित आपराधिक अपील का निपटारा छह महीने के भीतर करने को कहा है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने मंगलवार को कहा कि हाई कोर्ट के आदेश को करीब सात साल हो चुके हैं। ऐसे में इस स्तर पर उसमें हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है।

पूर्व जज गिरिबाला सिंह व बेटे समर्थ की हिरासत बढ़ी

भोपाल। भोपाल की एक अदालत ने मंगलवार को ट्विशा शर्मा मौत मामले में पूर्व जिला जज गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह की न्यायिक हिरासत 28 जुलाई तक बढ़ा दी। यह फैसला तब लिया गया, जब सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने अदालत को बताया कि दोनों आरोपियों ने अपने आवाज के नमूने लेने की प्रक्रिया में सहयोग नहीं किया। कोर्ट परिसर में कड़ी सुरक्षा के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई हुई।

भारत-यूके एफटीए आज से होगा लागू

नई दिल्ली। भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता बुधवार से प्रभावी हो जाएगा। इससे एक तरफ देश के घरेलू निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, दूसरी तरफ भारतीय सामानों को यूके का बाजार मिलेगा। इस समझौते के तहत, स्कॉच व्हिस्की, जिन, चॉकलेट, बिस्कुट और कॉस्मेटिक्स जैसे कई ब्रिटिश उत्पादों पर टैरिफ 15 जुलाई से कम होने लगेंगे। हालांकि, कुछ चीजों पर ड्यूटी में कटौती आने वाले सालों में धीरे-धीरे लागू की जाएगी। वहीं, भारतीय निर्यातकों को लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर जीरो-ड्यूटी एक्सेस मिलेगा, जिसमें यूके को होने वाले देश के निर्यात की लगभग पूरी वैल्यू शामिल है।

ईरान के मिसाइल हमले में एक भारतीय की मौत

नाविक की मौत के बाद भारत ने ईरानी राजनयिकों को किया तलब

- होर्मुज में जहाजों को निशाना बनाना बंद हो
- भारतीय दूतावास ने गहरा शोक व्यक्त किया

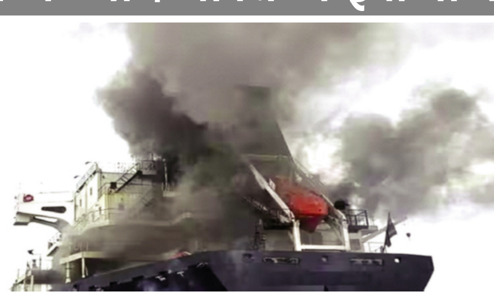

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान ने मंगलवार को होर्मुज स्ट्रेट में क्रूज मिसाइलों से संयुक्त अरब अमीरात के दो टैकरों को निशाना बनाया, जिसमें एक भारतीय चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई और छह भारतीय और दो यूक्रेनी नागरिक घायल हो गए। इस घटना के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने डिप्टी चीफ ऑफ मिशन मोहम्मद जवाद होसैनी समेत ईरान के राजनयिकों को तलब किया। मंत्रालय ने इन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर इस तरह के हमले तुरंत बंद होने चाहिए। दरअसल ओमान के क्षेत्रीय जल में स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे यूएई के दो तेल टैंकर— 'मोम्बासा' और 'अल बहियाह' जब दक्षिणी समुद्री मार्ग से गुजर रहे थे, उस समय ईरान की ओर से दो क्रूज मिसाइल दागी गईं। यूएई स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मिसाइल हमले में भारतीय नाविक की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया और कहा कि वह पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है। हम घायलों तथा उनके परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं।

होर्मुज पर अब अमेरिका का नियंत्रण : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि होर्मुज को अब अमेरिका नियंत्रित कर रहा है। श्री ट्रंप ने 'न्यूजमैक्स' से बातचीत में उस समय बेहद सीधा और दोटूक जवाब दिया जब उनसे पूछा गया कि इस रणनीतिक जलमार्ग पर किसका नियंत्रण है। उन्होंने कहा, 'हमारा नियंत्रण है।' अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों पर ईरानी हमलों और क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हुए हमलों के बाद तनाव बढ़ने के बाद आई है।

सुप्रीम कोर्ट ने समय रैना को लगाई फटकार

- तीन लाख का जुर्माना लगाया
- दिव्यांगों का मजाक उड़ाया था

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कंट्रोवर्सियल शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में होस्ट समय रैना, रणवीर इलाहाबादिया और अन्य इन्फ्लुएंसर्स द्वारा दिव्यांगों का मजाक उड़ाए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान फटकार लगाते हुए कहा कि कमीडियन समय रैना ने अदालत को बेवकूफ बनाने की कोशिश की है और सुप्रीम कोर्ट के सामने गलत बयान दिए हैं। इस पर कड़ी कार्रवाई करते हुए अदालत ने समय रैना समेत इंडिया गॉट लेटेंट के विवादित शो में शामिल रहे कमीडियन और अन्य गेस्ट्स पर 3-3 लाख का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही कोर्ट ने कड़ी चेतावनी दी है कि यदि जुर्माने की राशि दो हफ्ते में जमा नहीं की गई, तो उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। मामले की सुनवाई के दौरान क्योर एसएमए फाउंडेशन की तरफ से पेश हुई सीनियर एडवोकेट अपराजिता सिंह ने अदालत को बताया कि समय रैना ने पहले यह भरोसा दिलाया था कि उन्होंने दिव्यांगों के लिए कुछ इवेंट्स आयोजित किए हैं, लेकिन उन्होंने संस्था से कोई संपर्क नहीं किया।

धार भोजशाला परिसर के पास हर शुक्रवार नमाज होगी

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को धार भोजशाला मंदिर के पास नमाज के लिए कोई खुला स्थान देने को कहा है। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए यह जगह दी जाए। अदालत ने यह भी कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण बिना कोर्ट की मंजूरी परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करे। सुप्रीम कोर्ट मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें परिसर को मंदिर करार दिया गया है।

संसद के मानसून सत्र में सरकार का बड़ा एजेंडाः भ्रष्टाचार, अर्थव्यवस्था, शिक्षा से जुड़े अहम बिलों की तैयारी

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार के प्रशासनिक सुधार, आर्थिक विकास, निवेश को बढ़ावा, शिक्षा व्यवस्था में बदलाव और चुनावी ढांचे से जुड़े कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने की संभावना है जिनमें राजनेताओं के विरुद्ध भ्रष्टाचार के मामलों में कानून को सशक्त बनाने के विधेयक के अलावा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक भी शामिल है जो पिछले सत्र में पारित नहीं हो पाया था।

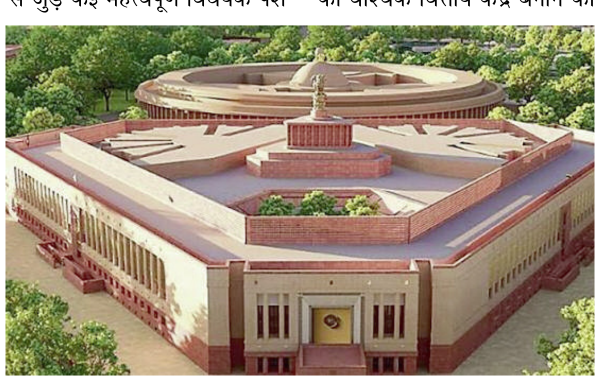

सरकार के ही विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार भ्रष्टाचार-रोधी विधेयक सरकार की प्राथमिकता में है, जिनका संबंध भ्रष्टाचार के मामलों में लंबे समय तक जेल में रहने वाले जनप्रतिनिधियों से है। प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों में कानून अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाना है। सरकार का तर्क है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर और स्पष्ट कानूनी व्यवस्था लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को मजबूत करेगी। विपक्ष ने आशंका जताई है कि इन कानून का राजनीतिक दुरुपयोग किया जाएगा हालांकि विपक्षी नेताओं ने इस विधेयक के प्रावधानों का विस्तृत अध्ययन करने के बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देने की बात कही है।

आर्थिक क्षेत्र में सरकार पूंजी बाजार सुधार विधेयक लाने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य भारतीय शेयर बाजार को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और आधुनिक बनाना है। प्रस्तावित सुधारों के तहत निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा, नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाने, डिजिटल निवेश प्रणाली को मजबूत करने तथा पूंजी जुटाने की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाने पर जोर रहेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह विधेयक प्रभावी रूप में लागू होता है तो विदेशी निवेश आकर्षित करने, स्टार्टअप और उद्योगों को पूंजी उपलब्ध कराने तथा भारत को वैश्विक वित्तीय केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

इसी क्रम में कंपनी कानून (संशोधन) विधेयक भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार लगातार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए नियमों को सरल बना रही है। नए संशोधनों का उद्देश्य कॉर्पोरेट गवर्नेंस को मजबूत करना, अनुपालन संबंधी अनावश्यक बोझ कम करना, कंपनियों के लिए प्रक्रियाओं को आसान बनाना तथा निवेश-अनुकूल वातावरण तैयार करना है। इससे विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और नई कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। वर्तमान में शिक्षा एक महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है। हिन्दुस्थान समाचार से बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि शिक्षा क्षेत्र में सरकार उच्च शिक्षा सुधार विधेयक के माध्यम से व्यापक बदलाव की तैयारी में है। यह विधेयक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके तहत विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों के नियमन को अधिक प्रभावी बनाने, गुणवत्ता सुधार, अनुसंधान को बढ़ावा देने, डिजिटल शिक्षा को मजबूत करने तथा संस्थानों को अधिक स्वायत्तता देने जैसे विषय शामिल हो सकते हैं। सरकार का कहना है कि इससे भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप मजबूत होगी।

इन विधेयकों के अलावा सरकार कुछ महत्वपूर्ण संविधान (संशोधन) विधेयक भी संसद में ला सकती है। हालांकि इन संशोधनों का अंतिम स्वरूप अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन सबसे अधिक राजनीतिक महत्व परिसीमन से जुड़े संभावित विधायी कदमों को लेकर माना जा रहा है। आगामी जनगणना के बाद लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया राष्ट्रीय राजनीति का बड़ा मुद्दा बन सकती है। दक्षिण भारत के कई राज्यों ने पहले ही आशंका जताई है कि जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्वितरण से उनके प्रतिनिधित्व पर असर पड़ सकता है, जबकि अधिक जनसंख्या वाले राज्यों को अतिरिक्त सीटें मिलने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में परिसीमन से जुड़े किसी भी विधायी कदम पर व्यापक राजनीतिक बहस और संघीय ढांचे को लेकर विचारोत्तेजक चर्चा होना तय माना जा रहा है। पिछले सत्र में भी इस विधेयक को पेश किया गया था जो पर्याप्त दो तिहाई बहुमत नहीं होने के कारण पारित नहीं हो पाया था।

दूसरी ओर विपक्ष इन प्रस्तावों की संवैधानिक वैधता, राजनीतिक दुरुपयोग और जनहित के नाम पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। विपक्षी नेताओं को लगता है कि भाजपा इन विधेयकों के माध्यम से अपनी राजनीतिक स्थिति और मजबूत कर लेगी।

धार भोजशाला मामले में मप्र हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। मध्यप्रदेश में धार भोजशाला में अभी पूजा-अर्चना होती रहेगी। भोजशाला परिसर के अंदर मुस्लिम समुदाय को नमाज पढ़ने की इजाजत नहीं होगी। उच्चतम न्यायालय ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

उच्चतम न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर हिंदू पक्ष और राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। तीन हफ्ते बाद कोर्ट मामले की सुनवाई करेगा। मुस्लिम पक्ष चाहता था कि उच्च न्यायालय के आदेश से पहले की स्थिति बहाल कर दी जाए लेकिन उच्चतम न्यायालय ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उच्चतम न्यायालय ने सरकार से कहा है कि भोजशाला परिसर के नजदीक एक जगह हर शुक्रवार को नमाज पढ़ने के लिए जगह दी जाए। नमाज हर शुक्रवार एक बजे से 3 बजे के बीच होगी।

करीब 20 साल बाद पश्चिम बंगाल लौटेंगी तसलीमा नसरीन, एक अगस्त को रवींद्र सदन में कार्यक्रम

कोलकाता, 14 जुलाई (हि.स.)। करीब 20 वर्षों बाद चर्चित लेखिका तसलीमा नसरीन पश्चिम बंगाल लौटने जा रही हैं। वह आगामी एक अगस्त को कोलकाता के रवींद्र सदन में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होंगी। कार्यक्रम का आयोजन कई सामाजिक संगठनों की ओर से किया जा रहा है। आयोजकों का दावा है कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों के साथ-साथ राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को भी आमंत्रित किया गया है। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम में तसलीमा नसरीन की रचनाओं, कविताओं और गीतों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक मोहित राय ने कहा कि तसलीमा के पश्चिम बंगाल आने पर कोई कानूनी रोक नहीं है। उनका आरोप है कि पूर्ववर्ती सरकारों ने कट्टरपंथी दबाव के कारण उन्हें राज्य में आने की अनुमति नहीं दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूरी तरह सांस्कृतिक है और इसका किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है। मोहित राय ने बताया कि तसलीमा नसरीन की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार से आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन मिला है। सुरक्षा के मद्देनजर विशेष इंतजाम किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के सह-आयोजक संगठन सेक्युलर मिशन के प्रतिनिधियों ने भी तसलीमा नसरीन के आगमन का स्वागत किया है। संगठन से जुड़े अधिवक्ता उस्मान मलिक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि लंबे इंतजार के बाद तसलीमा नसरीन का कोलकाता आगमन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कट्टरवाद के विरोध की दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण होगा। दरअसल, वर्ष 2007 में तसलीमा नसरीन की पुस्तक द्विखंडित को लेकर कोलकाता के कई इलाकों में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे। स्थिति तनावपूर्ण होने पर प्रशासन को सेना की सहायता लेनी पड़ी थी। उस समय राज्य में वाम मोर्चा सरकार थी और तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के कार्यकाल में पुस्तक पर प्रतिबंध लगाया गया था। बाद में तसलीमा नसरीन को कोलकाता छोड़ना पड़ा। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भी उनकी राज्य में वापसी नहीं हो सकी।

अब राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद लगभग दो दशक बाद उनका पश्चिम बंगाल आगमन होने जा रहा है। तसलीमा नसरीन की प्रस्तावित यात्रा को साहित्य, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राज्य की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, कार्यक्रम के आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी तरह सांस्कृतिक आयोजन है और इसे किसी राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं देखा जाना चाहिए।

जैश से जुड़े पांच संदिग्ध गुजरात में पकड़े गये, पूछताछ जारी

अहमदाबाद, 14 जुलाई (हि.स.)। गुजरात में राज्य पुलिस के आतंकवादी निरोधक बल (एटीएस) ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के पांच संदिग्धों को पाटन जिले से हिरासत में लिया है और इनसे अहमदाबाद में पूछताछ की जा रही है। राज्य में आतंकी नेटवर्क के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों के अभियान में गुजरात एटीएस ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े संदिग्धों के खिलाफ चल रही जांच के बीच सिद्धपुर शहर से पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया है। सभी को पूछताछ के लिए अहमदाबाद लाया गया है। इससे पहले गुजरात और मध्य प्रदेश एटीएस की कार्रवाई में जैश-ए-मोहम्मद से कथित रूप से जुड़े आठ संदिग्धों को पकड़ा गया था। इसी मामले की जांच आगे बढ़ाते हुए गुजरात एटीएस की टीम ने 13 जुलाई की शाम सिद्धपुर शहर में कार्रवाई की और पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया।

ज्ञानवापी विवादः सुप्रीम कोर्ट की सुलह पहल बेनतीजा, दोनों पक्षों का मध्यस्थता से इनकार

वाराणसी, 14 जुलाई (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए सुप्रीम कोर्ट की पहल पर मंगलवार को आयोजित मध्यस्थता प्रक्रिया (प्री-सुलह वार्ता) किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर स्थित मध्यस्थता केंद्र में हुई बैठक में वादी हिंदू और प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष ने मध्यस्थता के माध्यम से विवाद सुलझाने से इनकार कर दिया। दोनों पक्ष अपने-अपने दावे पर कायम रहे। अब मध्यस्थता रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को भेजी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की न्यायिक प्रक्रिया तय होगी।

मध्यस्थता केंद्र में ज्ञानवापी से जुड़े विभिन्न वादों के पक्षकारों और उनके अधिवक्ताओं को आमंत्रित किया गया था। चार पत्रावलियों से संबंधित पक्षकार बैठक में पहुंचे लेकिन किसी ने भी सुलह या समझौते की प्रक्रिया के लिए सहमति नहीं दी। इसके बाद विवाद के समाधान को लेकर अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट की अगली कार्रवाई पर टिक गई हैं। वादी हिंदू पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने बताया कि उन्हें पहले से ही इस बात की आशंका थी कि बातचीत के जरिए समाधान निकलना आसान नहीं होगा। धार्मिक और कानूनी पहलुओं से जुड़े इस विवाद में दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन सकी। अब मध्यस्थता की पूरी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को भेजी जाएगी और उसी के आधार पर आगे की न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता सफल नहीं होती है तो उसके बाद फैसला करना पूरी तरह उच्चतम न्यायालय का अधिकार है। न्यायालय रिपोर्ट का अध्ययन कर आगे की सुनवाई और आवश्यक आदेश तय करेगा। अधिवक्ता ने कहा कि वादी हिन्दू पक्ष लगातार यही मांग करता रहा है कि ज्ञानवापी परिसर में हिंदू श्रद्धालुओं को उनके धार्मिक अधिकारों के अनुरूप पूजा-अर्चना और दर्शन की अनुमति मिले। अब इस संबंध में अंतिम निर्णय सर्वोच्च न्यायालय को करना है और सभी पक्ष न्यायालय के आदेश के प्रति बाध्य होंगे। उन्होंने बताया कि अब अगली सुनवाई महत्वपूर्ण होगी। मध्यस्थता प्रक्रिया समाप्त होने के बाद मामला एक बार फिर न्यायिक प्रक्रिया के केंद्र में आ गया है। उधर, मध्यस्थता प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष ने इससे दूरी बना ली थी। अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने एक दिन पहले जारी पत्र में स्पष्ट कर दिया था कि वह बैठक में शामिल नहीं होगी। कमेटी के संयुक्त सचिव एस.एम. यासीन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से विशेष लोक अदालत और मध्यस्थता के माध्यम से विवाद सुलझाने का आमंत्रण बाध्यकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि कमेटी ने विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से बैठक में शामिल न होने का निर्णय लिया।

दूसरी ओर, ज्ञानवापी एवं श्रृंगार गौरी प्रकरण से जुड़े वादी पक्ष और उनके अधिवक्ताओं ने कहा कि ज्ञानवापी परिसर पर उनका दावा है और इस मामले में मध्यस्थता का कोई औचित्य नहीं है। उनका कहना था कि यदि मुस्लिम पक्ष बातचीत के लिए सहमत होता तो संवाद संभव था, अन्यथा विवाद का अंतिम समाधान न्यायालय के निर्णय से ही होगा। वादी पक्ष की लक्ष्मी देवी ने कहा कि वह किसी भी प्रकार के समझौते या मध्यस्थता के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि उपलब्ध साक्ष्य हिंदूओं के पक्ष में हैं और उनकी मांग पूरी ज्ञानवापी भूमि पर मंदिर के अधिकार की है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 से यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। न्यायालय ने हाल ही में विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान की संभावना तलाशने के उद्देश्य से विशेष लोक अदालत और मध्यस्थता प्रक्रिया अपनाने का सुझाव दिया था।

नीतीश कुमार ने कार्यकताओं को दिया बांकीपुर उपचुनाव में जुटने का निर्देश

पटना। मंगलवार को जदयू के प्रदेश मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आगमन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश कार्यालय परिसर का निरीक्षण किया तथा कार्यालय की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तृत जायजा लिया। श्री कुमार के आगमन पर प्रदेश कार्यालय परिसर में उपस्थित नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। वहीं श्री कुमार ने उपस्थित नेताओं एवं कार्यकताओं से आत्मीय भेंट की, उनका अभिवादन स्वीकार किया तथा सभी का कुशलक्षेम जाना।

नीतीश कुमार ने पार्टी कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम का जायजा लेते हुये उचित दिशा-निदेश देते हुये कार्यकताओं को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सभी कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि पूरी ताकत से बांकीपुर उपचुनाव में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता घर-घर जाकर एनडीए सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मतदाताओं तक पहुंचाए तथा बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में एनडीए प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए संगठित होकर कार्य करे। उन्होंने कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, मतदाताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखने और अनुशासित व सकारात्मक तरीके से चुनाव प्रचार करने का निर्देश देते हुए विश्वास जताया कि कार्यकताओं की मेहनत और जनता के समर्थन से बांकीपुर एनडीए प्रत्याशी का प्रदर्शन शानदार होगा।

इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी सहित बड़ी संख्या में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

एमसीडी 24 निगम श्री स्कूल करेगी शुरू, 12 जोन में फुटबॉल प्रीमियर लीग का भी होगा आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) राजधानी में शिक्षा और खेल गतिविधियों को नई गति देने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। निगम जल्द ही 24 निगम श्री स्कूल शुरू करेगा। इसके साथ दिल्ली के सभी 12 जोन में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से फुटबॉल प्रीमियर लीग का आयोजन भी किया जाएगा। दिल्ली नगर निगम की शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने मंगलवार को जानकारी दी कि दिल्ली नगर निगम निगम श्री स्कूल शुरू करने जा रही है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में आधुनिक शिक्षा, बेहतर आधारभूत सुविधाएं, स्मार्ट कक्षाएं, डिजिटल शिक्षण व्यवस्था तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन स्कूलों का उद्देश्य एमसीडी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को नई पहचान देना है। इसके साथ ही योगेश वर्मा ने बताया कि एमसीडी खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 12 जोन में फुटबॉल प्रीमियर लीग आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिता के माध्यम से निगम विद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी खेल वातावरण मिलेगा तथा फुटबॉल के प्रति रुचि रखने वाले बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में समान रूप से निवेश कर विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है। इसी उद्देश्य से निगम श्री स्कूल और फुटबॉल प्रीमियर लीग जैसी पहल शुरू की जा रही है।

सोनम वांगचुक के अनशन के बहाने राजनीतिक जमीन तलाश रहें केजरीवाल : हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वह अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए युवाओं को भड़काने की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2011 में इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन के जरिए राजनीति में उभरने वाले केजरीवाल अब कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मंच के माध्यम से उसी तरह की राजनीतिक जमीन तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। मल्होत्रा ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि पत्रकार वार्ता के दौरान अरविंद केजरीवाल द्वारा गुरुवार को सीजेपी के मंच पर जाने की घोषणा से स्पष्ट हो गया है कि उन्होंने अपनी राजनीतिक स्थिति को संभालने की उम्मीद में अपने पुराने सहयोगी अभिजीत दीपके के माध्यम से सीजेपी का गठन कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं को आंदोलन के नाम पर जोड़ने की यह कोशिश पूरी तरह विफल रही है और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी उनकी राजनीति का शिकार बन गए हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 2011 में अन्ना हजारे के भूख हड़ताल आंदोलन से राजनीतिक लाभ लेने के बाद अब वह सोनम वांगचुक के अनशन के जरिए अपना राजनीतिक वजूद बचाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन देश का युवा अब उनकी शतरंज में फंसने वाला नहीं है। मल्होत्रा ने दावा किया कि इसी कारण जंतर-मंतर पर युवाओं की अपेक्षित भागीदारी देखने को नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि देश का युवा अब राजनीतिक स्वार्थ और जन आंदोलनों के बीच का अंतर समझ चुका है।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली के सभी सांसदों के साथ की बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के सभी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसदों के साथ अपने आवास जन सेवा सदन पर सोमवार रात बैठक की। इस बैठक में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा भी मौजूद रहे। यह जानकारी भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल और कमलजीत सहरावत अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा की। बैठक के दौरान दिल्ली के विकास कार्यों, जनहित के मुद्दों और केंद्र-राज्य के समन्वय को लेकर चर्चा हुई। इसे संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल की दिशा में अहम बैठक माना जा रहा है।

हर्ष मल्होत्रा की अध्यक्षता में गाजीपुर डंप साइट पर लिगेसी वेस्ट के निस्तारण की प्रगति की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। गाजीपुर डंप साइट पर लिगेसी वेस्ट के निस्तारण तथा दिल्ली में ठोस अपशिष्ट एवं गोबर प्रबंधन की भावी कार्ययोजना की समीक्षा के लिए मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री तथा भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा की अध्यक्षता एवं दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही की उपस्थिति में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारियों ने दिल्ली की तीनों लिगेसी वेस्ट डंप साइटों भलस्वा, ओखला एवं गाजीपुर पर चल रहे बायो-माइनिंग एवं वैज्ञानिक निस्तारण कार्यों की प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। प्रस्तुति में वैज्ञानिक विधि से लिगेसी वेस्ट के प्रसंस्करण के माध्यम से मूल्यवान भूमि को पुनः उपयोग योग्य बनाने की दिशा में निगम द्वारा प्राप्त महत्वपूर्ण उपलब्धियों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने अवगत कराया कि तीनों डंप साइटों पर अब तक कुल 95 एकड़ भूमि पुनः प्राप्त की जा चुकी है, जिसमें भलस्वा में 45 एकड़, ओखला में 30 एकड़ तथा गाजीपुर में 20 एकड़ भूमि शामिल है। यह पुनः प्राप्त भूमि दिल्ली के शहरी पर्यावरण को बेहतर बनाने तथा सतत एवं योजनाबद्ध भूमि उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बैठक में यह भी बताया गया कि जुलाई 2022 से जुलाई 2026 के बीच एमसीडी ने तीनों लैंडफिल साइटों पर कुल 212.60 लाख मीट्रिक टन लिगेसी वेस्ट का सफलतापूर्वक बायो-माइनिंग के माध्यम से निस्तारण किया है। यह उपलब्धि दिल्ली की सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि 109.50 लाख मीट्रिक टन लिगेसी वेस्ट के वैज्ञानिक निस्तारण हेतु एकीकृत बायो-माइनिंग कार्यों के तृतीय चरण के लिए निविदाएं आमंत्रित की जा चुकी हैं। इस चरण के पूरा होने के बाद तीनों डंप साइटों पर लिगेसी वेस्ट का पूर्णतः निस्तारण संभव हो सकेगा। प्रस्तावित परियोजना का उद्देश्य दशकों पुराने कूड़े के पहाड़ों का वैज्ञानिक तरीके से पूर्ण उन्मूलन सुनिश्चित करना है। कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने संबंधित अधिकारियों को विशेष रूप से गाजीपुर डंप साइट पर बायो-माइनिंग एवं रेमेडिएशन कार्यों में और अधिक तेजी लाने तथा परियोजना को निर्धारित समय-सीमा से पहले पूरा करने के लिए सभी आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि लिगेसी वेस्ट का वैज्ञानिक निस्तारण पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार, प्रदूषण में कमी, मूल्यवान शहरी भूमि की पुनर्प्राप्ति तथा दिल्लीवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चल रहे कार्यों की नियमित एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए, संचालन संबंधी बाधाओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए तथा गुणवत्ता मानकों का पूर्णतः पालन करते हुए अधिकतम दक्षता के साथ कार्य संपादित किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने ताहिर हुसैन को दोषी ठहराए जाने पर आआपा के शीर्ष नेताओं से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि अदालत द्वारा दिल्ली दंगों के मामले में ताहिर हुसैन को दोषी करार दिया जाना उन पीड़ित परिवारों के लिए न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने उस हिंसा में अपने प्रियजनों को खोया और भारी पीड़ा झेली। दिल्ली में दंगे भड़काने, हत्या और व्यापक हिंसा फैलाने के लिए दोषी पाए गए व्यक्ति के साथ आम आदमी पार्टी (आआपा) के राजनीतिक संबंधों और संरक्षण पर पार्टी नेतृत्व को जवाब देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय में मीडिया को संबोधित करते हुए आआपा के शीर्ष नेता अरविंद केजरीवाल, सांसद संजय सिंह और पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया से पूछा कि दिल्ली की जनता को इस पूरे प्रकरण पर जवाब कब मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली दंगों के दौरान राजधानी ने हिंसा, पत्थरबाजी और अराजकता का भयावह दौर देखा, जिसमें अनेक लोगों की जान गई और कई परिवार प्रभावित हुए। उस समय की घटनाएं आज भी दिल्लीवासियों के मन में कई सवाल खड़े करती हैं।

पुराने कपड़े दान करने की योजना को लेकर हुआ एमओयू, मेट्रो के 10 प्रमुख स्टेशनों पर जल्द शुरू होंगे अर्पण केंद्र

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में मंगलवार को पुराने कपड़े दान करने की योजना के तहत दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी), लेडीज वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन (डीएलडब्ल्यूओ) ने दिल्ली सरकार के राज्य शहरी आजीविका मिशन (एसयूएलएम) और टेक्सटाइल रीसाइक्लिंग से जुड़ी संस्था क्लोथ्स बॉक्स फाउंडेशन और रेस्पन के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इस पहल के तहत दिल्ली में पुराने कपड़े दान करने की योजना (ओल्ड क्लोथ्स डोनेशन प्रोजेक्ट) की शुरूआत की जा रही है। इसका उद्देश्य पुराने और उपयोग किए गए कपड़ों को लैंडफिल में जाने से रोकना, टेक्सटाइल कचरे को कम करना और रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग के माध्यम से सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि दिल्ली सरकार पर्यावरण संरक्षण, कचरा प्रबंधन और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल न केवल टेक्सटाइल कचरे को कम करेगी, बल्कि नागरिकों को एक स्वच्छ और सस्टेनेबल दिल्ली के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनने के लिए भी प्रेरित करेगी। इस अवसर पर डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार व संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

इस परियोजना के तहत लोगों के घरों में रखे अनुपयोगी कपड़े एकत्र करने के लिए दिल्ली मेट्रो के 10 स्टेशनों पर अर्पण नाम से संग्रह केंद्र बनाए जाएंगे।

इसके साथ ही रिसाइकल और अपसाइकिल किए गए उत्पादों की बिक्री के लिए कियोस्क (बूथ) भी लगाए जाएंगे। पहले चरण में अगले कुछ दिनों के भीतर शाहदरा, डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल, मालवीय नगर, हौज खास, द्वारका, मोहन एस्टेट, लाजपत नगर, मयूर विहार फेज-1, पंजाबी बाग वेस्ट और शालीमार बाग मेट्रो स्टेशनों पर अर्पण केंद्र शुरू किए जाएंगे। यहां नागरिक सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक अपने पुराने कपड़े आसानी से दान कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एकत्र किए गए कपड़ों को अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। पहली श्रेणी में ऐसे वस्त्र होंगे, जिनसे स्वयं सहायता समूह बैग, सजावटी वस्तुएं और अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार कर सकेंगे। दूसरी श्रेणी में पूरी तरह अनुपयोगी कपड़ों को रिसाइकल कर नए उत्पादों और कच्चे माल में बदला जाएगा। इसके अतिरिक्त, पूजा-पाठ में उपयोग होने वाले वस्त्रों और अन्य धार्मिक सामग्री का भी सम्मानपूर्वक दोबारा उपयोग और उसे रिसाइकल किया जाएगा ताकि लोगों की भावनाओं का सम्मान बना रहे। उन्होंने कहा कि सरकार खंडित मूर्तियों, प्लास्टिक कचरे और अन्य अपशिष्ट पदार्थों के लिए भी अलग-अलग समाधान विकसित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना वस्त्र प्रदूषण को कम करने, सस्टेनेबल जीवनशैली को प्रोत्साहित करने और महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक अभिनव पहल है।

इस परियोजना के तहत इन संग्रह केंद्रों का संचालन दिल्ली सरकार के राज्य शहरी आजीविका मिशन (एसयूएलएम) से जुड़ी स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएं करेंगी। उन्हें वस्त्रों की अपसाइक्लिंग और रीसाइक्लिंग का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। दान में मिले कपड़ों का एक हिस्सा उन्हें अपसाइक्लिंग के लिए भी उपलब्ध कराया जाएगा। क्लोथ्स बॉक्स फाउंडेशन और रेस्पन एकत्र किए गए कपड़ों की छंटाई (सेग्रीगेशन), रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग की पूरी प्रक्रिया संभालेंगी। इन संग्रह केंद्रों पर रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग से तैयार उत्पादों की बिक्री भी की जाएगी, जिससे सर्कुलर इकोनॉमी मॉडल को बढ़ावा मिलेगा। इस पहल के तहत नागरिक क्यूआर कोड स्कैन कर अपने कपड़ों के दान का डिजिटल पंजीकरण भी करा सकेंगे। वे अपना नाम, मोबाइल नंबर और दान किए गए कपड़ों का विवरण दर्ज करेंगे, जिसके बाद उन्हें तुरंत डिजिटल प्रमाणपत्र मिल जाएगा। एकत्र किए गए पुराने कपड़ों को उनकी उपयोगिता के आधार पर अलग-अलग किया जाएगा। जो कपड़े इस्तेमाल करने योग्य होंगे, उन्हें अपसाइक्लिंग के जरिए बैग, परिधान और अन्य उपयोगी वस्तुओं में बदला जाएगा। वहीं, अनुपयोगी कपड़ों को रीसाइक्लिंग के माध्यम से नए धागे और कपड़े बनाने में इस्तेमाल किया जाएगा।

अर्पण केंद्र के माध्यम से नागरिक बेहद सरल और पारदर्शी तरीके से अपने पुराने कपड़े दान कर सकेंगे। इसके लिए नागरिकों को केवल मेट्रो स्टेशनों पर स्थापित कियोस्क पर जाकर वहां उपलब्ध क्यूआर कोड स्कैन करना होगा और एक संक्षिप्त डिजिटल फॉर्म भरना होगा, जिसमें नाम, मोबाइल नंबर और दान किए जाने वाले कपड़ों का विवरण दर्ज किया जाएगा। फॉर्म जमा होने के बाद स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएं दान किए गए कपड़ों की जांच और सत्यापन करेंगी। इसके उपरांत दानकर्ता को तुरंत डिजिटल प्रमाणपत्र और सोशल मीडिया पर साझा किए जा सकने वाला एक विशेष संदेश प्राप्त होगा।

इसके अलावा सभी दान को संबंधित मेट्रो स्टेशनों के साथ डिजिटल रूप से मैप किया जाएगा, जिससे रियल-टाइम ट्रैकिंग और रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जा सकेगी। इस पहल के लिए एक सेंट्रलाइज्ड एडमिन डैशबोर्ड भी विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से अधिकृत अधिकारी विभिन्न केंद्रों पर प्राप्त दान की निगरानी कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री संग्रहालय में वॉकिंग विद लेगेसी प्रदर्शनी शुरू, 24 जुलाई तक देख सकेंगे दर्शक

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। प्रधानमंत्री संग्रहालय ने बुधवार को अपनी विशेष प्रदर्शनी वॉकिंग विद लेगेसी का शुभारंभ किया। संग्रहालय के ब्लॉक-1 स्थित परिचय गैलरी में आयोजित यह प्रदर्शनी 24 जुलाई तक आम दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री संग्रहालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. प्रियंका मिश्रा भी उपस्थित रहीं।

संग्रहालय की आरक्षित संग्रह सामग्री से चयनित छड़ियों (वॉकिंग स्टिक्स) और बैटनों को इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी इन वस्तुओं की कलात्मकता, शिल्प कौशल और उनके सांस्कृतिक व ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करती है।<

साथ ही यह भी दशार्ती है कि विभिन्न कालखंडों में छड़ियां और बैटन नेतृत्व, अधिकार, सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत पहचान के प्रतीक के रूप में किस प्रकार उपयोग में लाई जाती रही हैं।

प्रदर्शनी में प्रदर्शित कई वस्तुएं देश के प्रमुख नेताओं और विशिष्ट व्यक्तित्वों से जुड़ी रही हैं।

इनके साथ संबंधित ऐतिहासिक संदर्भ और व्यक्तिगत प्रसंग भी प्रस्तुत किए गए हैं, जिससे दर्शकों को इन दुर्लभ धरोहरों को समझने का अवसर मिलेगा।

प्रधानमंत्री संग्रहालय के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य संग्रहालय के आरक्षित संग्रह को अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाना तथा भारत की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। प्रदर्शनी में उपलब्ध व्याख्यात्मक सामग्री और विशेष प्रस्तुति के माध्यम से आगंतुक इन ऐतिहासिक वस्तुओं के महत्व को करीब से समझ सकेंगे।

संग्रहालय प्रशासन ने लोगों से प्रदर्शनी का अवलोकन करने और इन ऐतिहासिक धरोहरों की विरासत से परिचित होने का आग्रह किया है।

डीएसईयू से सरकारी पॉलिटेक्निक अलग करने की मांग, तकनीकी शिक्षा कर्मियों का डीटीटीई तक पैदल मार्च

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली के सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों को दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी (डीएसईयू) से अलग कर पुनः तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशालय (डीटीटीई) के अधीन लाने की मांग को लेकर मंगलवार को गैजेटेड ऑफिसर्स फोरम फॉर टेक्निकल एजुकेशन, दिल्ली (जीओएफटीई) के आह्वान पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकाला। मार्च के बाद प्रतिनिधिमंडल ने डीटीटीई को ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों और विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों के समाधान की मांग की।

फोरम के अनुसार, दिल्ली के विभिन्न सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों, तकनीकी शिक्षण संस्थानों और संबंधित कार्यालयों से करीब 200 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मार्च में भाग लिया। ज्ञापन में कहा गया कि वर्ष 2021 में सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों को डीएसईयू में शामिल किए जाने के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारियों को उनकी सहमति के बिना डीम्ड डेपुटेशन पर भेज दिया गया था, जो व्यवस्था अब तक जारी है।

फोरम ने कहा कि इस व्यवस्था से कर्मचारियों के सेवा हित, कैडर अधिकार और भविष्य की सुरक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकार से सभी सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों को पुनः डीटीटीई के अधीन लाने और उन्हें डीएसईयू से अलग करने की मांग की है।

फोरम के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों के शिक्षक और अधिकारी संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के माध्यम से नियुक्त हुए हैं तथा उनकी सेवा शर्तें और शैक्षणिक मानक अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के मानकों के अनुरूप हैं। डीएसईयू के अंतर्गत डिप्लोमा तकनीकी शिक्षा से जुड़े एआईसीटीई मानकों और अनुमोदन की उपेक्षा हो रही है, जिससे संस्थानों और छात्रों के हित प्रभावित हो सकते हैं।

ज्ञापन में कर्मचारियों ने पेंशन, चिकित्सा सुविधाओं, एलटीसी और अन्य सेवा लाभों से संबंधित लंबित मामलों का भी उल्लेख किया। कर्मचारियों ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में इन मुद्दों का संतोषजनक समाधान नहीं हो पाया है।

फोरम ने सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों के बुनियादी ढांचे को लेकर भी चिंता जताई। उसके अनुसार कई संस्थानों में भवनों से पानी टपकने, जर्जर शौचालयों, प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं में आधुनिक मशीनरी की कमी तथा रखरखाव पर अपर्याप्त खर्च जैसी समस्याएं बनी हुई हैं, जिससे तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

ई-20 पर प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, कल सोनम वांगचुक से मिल भूख हड़ताल खत्म करने की अपील करेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली, 14 जुलाई (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ई-20 पेट्रोल के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर दो प्रमुख मांगें रखी हैं। उन्होंने कहा कि सभी पेट्रोल पंपों पर शुद्ध पेट्रोल और ई-20, दोनों का विकल्प उपलब्ध कराया जाए तथा ई-20 पेट्रोल की कीमत सामान्य पेट्रोल से कम रखी जाए, क्योंकि इसकी माइलेज कम होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि देशभर से लोगों की शिकायतें मिल रही हैं कि ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल से वाहनों की माइलेज कम हो रही है और कई वाहनों के पुर्जों पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इसी को देखते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जनता की चिंताओं से अवगत कराया है। उन्होंने बताया कि पत्र में प्रधानमंत्री से मुलाकात काा समय भी मांगा गया है, ताकि जनता से मिले सुझावों और तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की जा सके। साथ ही आम आदमी पार्टी ने इस मुद्दे पर एक ऑनलाइन हस्ताक्षर अभियान भी शुरू किया है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस अभियान से जुड़कर अपने अनुभव साझा करें, ताकि उन्हें प्रधानमंत्री के समक्ष रखा जा सके। केजरीवाल ने पार्टी कार्यकताओं से भी पेट्रोल पंपों और सर्विस स्टेशनों पर जाकर लोगों से बातचीत करने तथा उनके अनुभवों के वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों की आवाज सामने आने से सरकार पर जनभावनाओं को सुनने का दबाव बनेगा। केजरीवाल ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर जंतर-मंतर पर जारी प्रदर्शन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक शिक्षा व्यवस्था में सुधार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। उनकी बिगड़ती सेहत चिंता का विषय है। केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी इस आंदोलन और इसकी मांगों का समर्थन करती है।

भविष्यफल

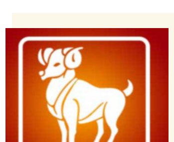

मेष- यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

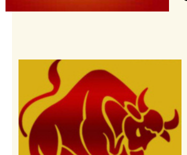

वृष- लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन- दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

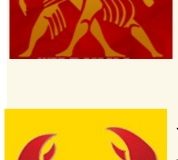

कर्क- विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वतः ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। शुभांक-4-6-9

सिंह- नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या- अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

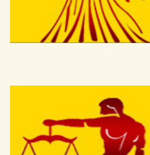

तुला- व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

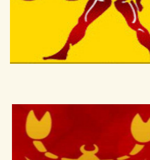

वृश्चिक- समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

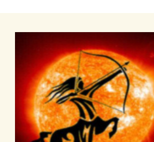

धनु- पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

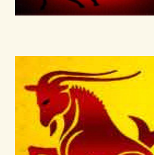

मकर- जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंगे। शुभांक-3-5-7

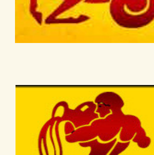

कुंभ- कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

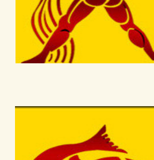

मीन- अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

भारतीय नाविक की मौत पर जताया कड़ा विरोध

भारत बोला- होर्मुज में जहाजों पर हमले तुरंत रोके जाएं, ईरानी दूतावास को किया तलब

प. एशिया में बढ़ता तनाव गंभीर चिंता का विषय, हिंसा रोककर वार्ता और कूटनीति का रास्ता अपनाए

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

होर्मुज स्ट्रेट में व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों के बाद भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन को तलब कर विरोध दर्ज कराया और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर जहाजों को निशाना बनाने की घटनाएं तत्काल रोकने की मांग की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, हमले का शिकार हुए दो जहाजों पर कुल 30 भारतीय नाविक मौजूद थे। इनमें एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हुए हैं।

भारत ने मृतक नाविक के परिवार के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। भारत ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव गंभीर चिंता का विषय है। सभी पक्षों को हिंसा रोककर वार्ता और कूटनीति का रास्ता अपनाना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर जहाजों की सुरक्षित आवाजाही और वैश्विक व्यापार सुनिश्चित किया जाना जरूरी है।

संघर्ष में अब तक 13 भारतीयों की मौत

ईरान-यूएस संघर्ष में खाड़ी क्षेत्र में अबतक 13 भारतीयों की मौत हो चुकी है, जबकि 3 भारतीय अब भी लापता बताए जा रहे हैं। होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हुए हमलों के कारण क्षेत्र में समुद्री यातायात प्रभावित हुआ है।

फारस की खाड़ी में फंसे 11 भारतीय जहाज: विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत से जुड़े 11 जहाज और 148 भारतीय नाविक फिलहाल फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। ये जहाज होर्मुज से गुजरने का इंतजार कर रहे हैं।

200 जहाज फंसे: ईरान ने दावा किया है कि कुछ हफ्तों में 200 विदेशी जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए अनुमति मांगी है। ईरान के पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी के मुताबिक, कई जहाजों को आवागमन की मंजूरी और बीमा कवरेज भी दिया गया। ईरान ने हाल ही में पीजीएसए की स्थापना की है। उसका कहना है कि यह संस्था होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों की निगरानी व समुद्री मार्ग पर नियंत्रण मजबूत करने को बनाई है।

होर्मुज पर ट्रम्प का यू-टर्न

20 फीसदी शुल्क लगाने का फैसला 24 घंटे में बदला

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने होर्मुज़ को लेकर अपने फैसले में बदलाव करते हुए कहा है कि यह जलमार्ग ईरान को छोड़कर सभी जहाजों के लिए खुला रहेगा। इससे पहले उन्होंने इस रास्ते से गुजरने वाले जहाज़ों पर 20 फीसदी शुल्क लगाने की घोषणा की थी। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि नाकाबंदी सिर्फ उन जहाज़ों पर लागू होगी जो ईरान के बंदरगाहों से आ-जा रहे हैं या किसी भी तरह का ईरानी माल ले जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि तेल की आपूर्ति पहले से बेहतर स्थिति में है और इसका श्रेय यूएस सेना की ताकत को दिया।

ट्रम्प ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन डैन केन और यूएस सेंट्रल कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर की भी सराहना की।ट्रम्प ने कहा कि ईरान के नेतृत्व की नीतियों के कारण यह स्थिति बनी है और यूएस सतत बड़ी जीत हासिल कर रहा है। इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि यूएस होर्मुज़ स्ट्रेट का संरक्षक है और इसकी सुरक्षा के बदले 20 फीसदी टोल वसूलेगा। वहीं, ईरान के विदेश मंत्री ने इस शुल्क को बहुत ज्यादा बताया था।

पाक सेना ने पीओके में मचाया उत्पात लोगों पर बरसाई गोलियां, 6 की मौत

पीओके में एक बार फिर पाकिस्तानी सेना की बर्बरता सामने आई

● इस्लामाबाद / (एजेंसी)

पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आम लोगों पर अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को आसिम मुनीर की सेना और सुरक्षा बलों ने बिना किसी कारण के आम लोगों पर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें कम से कम 6 निर्दोष नागरिकों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया है और स्थिति बेकाबू होती जा रही है।

बलोच इलाके को बनाया निशाना: मंगलवार सुबह-सुबह पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने रावलकोट के मटियाल मीरा बस टर्मिनल क्षेत्र और सुधनोती जिले के बलोच इलाके में निहत्थे नागरिकों पर बल प्रयोग किया। अचानक हुई गोलीबारी से इलाके में भगदड़ मच गई और कई लोग इसकी चपेट में आ गए।

स्थानीय लोगों में जबर्दस्त गुस्सा: रिपोर्ट के अनुसार, मरने वालों में मटियाल मीरा बस टर्मिनल के पास वाजिद हयात शामिल हैं। वहीं बलोच (सुधनोती) क्षेत्र में जाहिद मुगल, जफर मुगल, अर्सलान अकबर समेत अन्य नागरिकों की मौत हुई है। वहीं, इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में जबरदस्त गुस्सा देखा जा रहा है। उन्होंने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी है। स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जा रहे हैं।

एसआरके के बंगले के विस्तार को मंजूरी

● नई दिल्ली / आरएनएन

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी खान के बांद्रा स्थित बंगले मन्नत के विस्तार का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने बंगले में दो नई मंजिलें बनाने पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिका दायर करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता संतोष दौंडकर की मंशा पर भी सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपने निजी घर में नियमों के तहत बदलाव या निर्माण करना चाहता है तो यह उसका अधिकार है। अदालत ने कहा कि जब निर्माण प्रक्रिया में कानून का पालन किया गया है तो किसी अन्य व्यक्ति को इसमें हस्तक्षेप करने का आधार नहीं बनता।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील शोएब आलम ने कहा कि मामला एक प्रसिद्ध अभिनेता से जुड़ा है, लेकिन इसे किसी व्यक्ति की लोकप्रियता के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए।

पीएम मोदी ने स्लोवाक नेता को दिया बिहारी ठेकुआ

नई दिल्ली, (हि.स.। पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा स्लोवाकिया के संसद अध्यक्ष रिचर्ड रासी को भेंट किया गया बिहार का पारंपरिक व्यंजन ठेकुआ अब चर्चा में है। रासी ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किया, जिसमें वह गिफ्ट बॉक्स खोलकर ठेकुआ खाते नजर आ रहे हैं। रासी ने कहा कि यह केवल एक उपहार नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति और परंपरा की झलक है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी बिहार से ठेकुआ लेकर आए थे। बदले में उन्होंने मोदी को हिंदी में लिखे स्लोवाक स्पा वेफर्स भेंट किए।

रिचर्ड रासी ने वीडियो शेयर कर चखा स्वाद

हादसे में मृत 15 भारतीयों के शव स्वदेश पहुंचे

नई दिल्ली, (आरएनएन)। वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास हुए स्पीडबोट हादसे में जान गंवाने वाले 15 भारतीय पर्यटकों के शव मंगलवार को उनके गृह राज्यों पहुंच गए। मृतकों में 10 तमिलनाडु, तीन आंध्र प्रदेश और दो केरल के निवासी थे। 12 जुलाई को हुई दुर्घटना में 32 भारतीय पर्यटक सवार थे। हादसे में 15 लोगों की मौत हुई, जबकि अन्य यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया। भारतीय दूतावास ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

8 माह के मिशन पर अंतरिक्ष रवाना हुए अनिल मेनन

इंसानी शरीर पर माइक्रोग्रैविटी का करेंगे अध्ययन

● मास्को / (एजेंसी)

भारतीय मूल के अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 8 माह लंबे स्पेस मिशन पर मंगलवार को रवाना हो गए। मेनन के साथ दो और रूसी अंतरिक्ष यात्री कजाकिस्तान से सोयुज एमएस-29 स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए।

मेनन और रूसी अंतरिक्ष यात्रियों प्योत्र दुब्रोव और अन्ना किकिना को ले जाने वाला रोस्कोस्मोस अंतरिक्ष यान भारतीय समयानुसार रात 8:17 बजे बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से रवाना हुआ। स्टेशन तक दो-ऑर्बिट और तीन घंटे की यात्रा के बाद, स्पेसक्राफ्ट रात 11:56 बजे (आईएसटी) अपने-आप प्रिचल मॉड्यूल से जुड़ जाएगा। यह मेनन की पहली स्पेसफ्लाइट है और रूसी अंतरिक्ष यात्रियों के लिए दूसरी उड़ान है।

मेनन अंतरिक्ष में कई अत्याधुनिक वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे, जिनका मकसद भविष्य में डीप स्पेस की खोज के लिए इंसानों को तैयार करना और ऐसी तकनीकों को आगे बढ़ाना है जिनसे पृथ्वी पर जीवन को फायदा हो सके।

इमरजेंसी मेडिसिन और एयरोस्पेस मेडिसिन के विशेषज्ञ डॉक्टर मेनन इस लंबे मिशन के दौरान न सिर्फ़ एक रिसर्चर के तौर पर काम करेंगे, बल्कि एक टेस्ट सब्जेक्ट के तौर पर भी अपनी भूमिका निभाएंगे. टेस्ट सब्जेक्ट यानी कि जिन पर प्रयोग किया जाएगा।

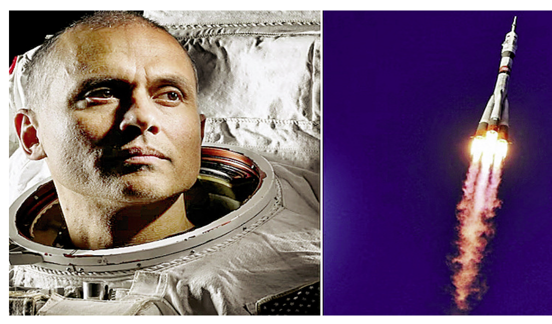

चांद और मंगल पर मिशन की करेंगे तैयारी

मेनन के रिसर्च में माइक्रोग्रैविटी का इंसान के शरीर पर असर अहम है। इस रिसर्च से इस बारे में अहम डेटा मिलने की उम्मीद है कि लंबे समय तक अंतरिक्ष की यात्रा का इंसानी शरीर पर क्या असर पड़ता है। यह जानकारी तब बहुत काम आएगी जब नासा और उसके अंतरराष्ट्रीय पार्टनर चांद और मंगल पर मिशन की तैयारी करेंगे। मेनन यह भी देखेंगे कि माइक्रोग्रैविटी का अंतरिक्ष यात्रियों में ब्लड फ्लो, नसों की बनावट और खून की बनावट पर क्या असर पड़ता है। वे स्टेशन के पीने के पानी के सिस्टम का इस्तेमाल करके आईवी फ़्लूइड बनाने वाली टेक्नोलॉजी को टेस्ट करने में भी मदद करेंगे. ऐसी क्षमताएं डीप-स्पेस मिशन के दौरान बहुत ज़रूरी हो सकती हैं, जहां मेडिकल सप्लाई सीमित होती है। मेनन सेमीकंडक्टर क्रिस्टल के स्पेस में प्रोडक्शन को बेहतर बनाने के लिए रिसर्च जारी रखेंगे।

कर्नाटक में बनेगी देश की पहली एआई यूनिवर्सिटी

रिसर्च और स्टार्टअप्स को मिलेगा बढ़ावा

● बेंगलुरु / (एजेंसी)

कर्नाटक सरकार अब देश की पहली सरकारी एआई यूनिवर्सिटी स्थापित करेगी। सीएम डीके शिवकुमार ने सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि राज्य में एक एआई हब भी विकसित किया जाएगा, जहां स्टार्टअप्स, शोधकर्ता और कंपनियां मिलकर नई तकनीकों पर काम कर सकेंगी।

बेंगलुरु में बनेगा एआई हब

सीएम ने बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि प्रस्तावित एआई यूनिवर्सिटी का उद्देश्य विश्वस्तरीय एआई विशेषज्ञ तैयार करना है। यहां छात्रों को आधुनिक तकनीक की शिक्षा के साथ रिसर्च और इंडस्ट्री से जुड़ने के अवसर मिलेंगे।

एआई यूनिवर्सिटी का मुख्य परिसर बेंगलुरु में करीब 100 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इसके अलावा कलबुर्गी, बेलगावी, हुबली-धारवाड़, मंगलुरु और मैसूरु में क्षेत्रीय कैंपस स्थापित करने की योजना है। शिवकुमार ने कहा कि एआई का इस्तेमाल शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सरकारी सेवाओं को बेहतर बनाने में किया जाएगा।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह बोले, विकसित भारत में प. बंगाल की निर्णायक भूमिका

प. बंगाल में लंबे समय से अटकी परियोजनाएं की गईं मंजूर, इंफ्रास्ट्रक्चर पर 82,000 करोड़ रु. के कार्यों से नई गति

● कोलकाता / (हि.स.)।

केंद्रीय कृषि व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह ने मंगलवार को प. बंगाल प्रवास के दौरान सीएम सुवेंदु अधिकारी और राज्य के मंत्रीगण तथा केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अफसरों संग उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इसमें शिवराज सिंह द्वारा अनेक अहम निर्णय लिए और घोषणाएं की गईं।

बैठक के बाद सीएम के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय

मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत का सपना, विकसित प. बंगाल के बिना पूरा नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा पीएम नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और नए नेतृत्व के साथ बंगाल विकास और प्रगति की नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

इंफ्रास्ट्रक्चर: बड़े प्रोजेक्ट और पुरानी रुकावटों पर फैसला

उन्होंने बताया कि प. बंगाल के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर अब केंद्र और राज्य दोनों मिलकर काम कर रहे हैं। सड़क, हाईवे, रेलवे, मेट्रो और पाइपलाइन जैसे सेक्टरों में 82,000 करोड़ रु. से अधिक के काम चल रहे हैं, जिन्हें पहले पर्याप्त राजनीतिक-प्रशासनिक समर्थन नहीं मिलता था, लेकिन अब उन्हें नई गति और दिशा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रु. के कई प्रोजेक्ट, जो सालों से अधर में लटके थे, उनकी बाधाएँ हटाकर उन्हें मंजूरी दी गई है ताकि लोगों को जल्दी फायदा मिल सके।

तेज बारिश में साइकिल पर शव ले जाते दिखे दो युवक

● चंडीगढ़ / (एजेंसी)

चंडीगढ़ में एक युवक के शव को साइकिल पर ले जाते हुए सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो में दो लोग तेज बारिश के बीच एक युवक को साइकिल पर लिटाकर ले जाते दिख रहे हैं। कुछ दूरी पर पहुंचने के बाद दोनों शव को सड़क पर छोड़कर फरार हो जाते हैं।

पुलिस ने शुरुआती जांच में युवक की मौत नशे की ओवरडोज से होने की आशंका जताई है, जबकि परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। परिवार का कहना है कि अगर मौत नशे की वजह से हुई है तो पुलिस को इसके सबूत देने चाहिए। उन्होंने शव पर चोट के निशान होने का दावा करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतक की पहचान सेक्टर-52 निवासी दीपक (31) के रूप में हुई है।

उसके पिता रमेश के मुताबिक, 8 जुलाई की रात दीपक घर से यह कहकर निकला था कि वह पांच मिनट में वापस आ जाएगा, लेकिन इसके बाद नहीं लौटा। परिजनों ने अपने स्तर पर तलाश करने के बाद 9 जुलाई को सेक्टर-52 पुलिस बीट बॉक्स में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

स्टेशनों के आधुनिकीकरण की दिशा में एनएफआर को अहम उपलब्धि हासिल

● मालीगांव / (हि.स.)

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने स्टेशनों के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और अहम उपलब्धि हासिल की है। अपने क्षेत्राधिकार के अधीन तीन रेलवे स्टेशनों-रंगिया मंडल के माजबाट, अलीपुरद्वार मंडल के जलपाईगुड़ी रोड और कटिहार मंडल के हल्दीबाड़ी स्टेशन को 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत पुनर्विकसित किया गया हैं। रेलवे स्टेशनों को आधुनिक, सुलभ और यात्रियों के अनुकूल परिवहन केंद्र में बदलने की दिशा में यह एक बड़ा प्रयास है। साथ ही इसमें हर क्षेत्र की स्थानीय विरासत और सांस्कृतिक पहचान को भी बरकरार रखा गया है।

असम और प. बंगाल के तीनों स्टेशनों को यात्रियों की बेहतर सुविधाओं और यात्रा के बेहतर अनुभव के लिए पूर्णतः अपग्रेड किया गया है, जो विश्व-स्तरीय रेल अवसंरचना विकसित करने के भारत सरकार के विज़न के अनुरूप है।अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत,

असम में माजबाट रेलवे स्टेशन को 10.19 करोड़ रुपये, जलपाईगुड़ी रोड रेलवे स्टेशन को 34.80 करोड़ रुपये और हल्दीबाड़ी रेलवे स्टेशन को लगभग 26 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया गया है। हर स्टेशन को उसकी क्षेत्रीय पहचान और कामकाज की ज़रूरतों के हिसाब से डिज़ाइन किया गया है।

तीनों स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए आधुनिक अवसंरचना भी विकसित किए गए है। इसमें आकर्षक स्टेशन बिल्डिंग, बेहतर सर्कुलेटिंग एरिया, वृहत्त प्रतीक्षालय, बेहतर प्लेटफॉर्म इंफ्रास्ट्रक्चर, आवश्यकतानुसार लिफ्ट के साथ एफओबी, दिव्यांग-अनुकूल सुविधाएँ, आधुनिक शौचालय प्रमुख है।

आज का इतिहास

- 1904 : लॉस एंजिल्स में पहला बौद्ध मंदिर बना।
- 1910 : एमिल क्रेपलिन ने एलॉइस अल्जाइमर के नाम पर अल्जाइमर बीमारी का नाम दिया।
- 1916 : दुनिया की सबसे बड़ी एयरोस्पेस कंपनी बोइंग की शुरुआत।
- 1926 : बॉम्बे में पहली मोटरबस सेवा की शुरुआत।
- 1961 : स्पेन ने पुरुषों और महिलाओं के लिए समान हक को स्वीकारा।
- 1979 : पीएम मोरारजी देसाई का पद से इस्तीफा।
- 1968 : यूएस- तत्कालीन सोवियत संघ के बीच वाणिज्यिक विमान सेवा की शुरुआत।
- 1955 : तत्कालीन पीएम जवाहरलाल नेहरु को भारत रत्न देने की घोषणा।

नासिक में पर्यटकों पर हमला 20 किमी तक किया पीछा...

छेड़छाड़ का विरोध करने पर मनचलों ने चलती कार पर मारे पत्थर-रॉड

● नासिक / आरएनएन

महाराष्ट्र के नासिक में पर्यटक परिवार पर हमले का मामला सामने आया है। आरोप है कि परिवार की युवती से छेड़छाड़ का विरोध करने पर 8-10 युवकों ने उन्हें घेर लिया और बाद में बाइक से 20 किमी तक पीछा कर कार पर लाठी, रॉड और बेसबॉल स्टिक से हमला किया।

घटना रविवार शाम की है। आरोपियों ने चलती कार में तोडफ़ोड़ की, लेकिन परिवार किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से निकलने में सफल रहा। पुलिस ने इस मामले में लूट, हत्या के प्रयास और छेड़छाड़ सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर शुरू हुआ विवाद

नासिक निवासी पूनम भागवत 12 जुलाई की शाम परिवार के साथ भावली वाटरफॉल घूमने गई थीं। इसी दौरान कुछ स्थानीय युवकों ने परिवार की लडक़ी से छेड़छाड़ की। पूनम और उनके पति ने इसका विरोध करते हुए युवकों को सार्वजनिक जगह पर ऐसी हरकत नहीं करने की बात कही।

बड़ा बदलाव हथियार खरीद का बदला पैटर्न, अब लंबी जंग की तैयारी पर दिया जा रहा जोर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 9.80 लाख करोड़ की रक्षा डील

● नई दिल्ली / (हि.स.)।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा खरीद रणनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पिछले 14 महीनों में मंजूर किए गए रिकॉर्ड रक्षा प्रस्तावों से संकेत मिलता है कि सेना अब केवल सीमित कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय तक चलने वाले बहुस्तरीय संघर्ष के लिए तैयारी कर रही है। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद 55 रक्षा प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिनकी कुल अनुमानित लागत 9.80 लाख करोड़ रुपए से अधिक है।

यह राशि एक साथ खर्च नहीं होगी, बल्कि कई वर्षों में हथियार खरीद, स्वदेशी उत्पादन और सैन्य आधुनिकीकरण योजनाओं पर खर्च की जाएगी। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, दुनिया में युद्ध की परिस्थितियां बदल रही हैं। यूक्रेन और पश्चिम एशिया के लंबे संघर्षों ने भारत की सैन्य तैयारियों को भी प्रभावित किया है। अब जोर ऐसे हथियारों, उपकरणों और व्यवस्थाओं पर है, जिनसे लंबे समय तक युद्ध की स्थिति में गोला-बारूद, मरम्मत और रसद की जरूरतें पूरी की जा सकें। हालांकि, पनडुब्बियों और पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों जैसी परियोजनाओं में देरी अब भी चुनौती बनी हुई है।

भारतीय हथियारों की बढ़ी मांग

ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस, आकाश, लॉयटरिंग म्युनिशन और नेत्र जैसे भारतीय रक्षा उपकरणों के इस्तेमाल के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इनकी मांग बढ़ी है। कई देशों ने भारतीय हथियार प्रणालियों में रुचि दिखाई है और कुछ बड़े रक्षा सौदों को मंजूरी भी मिल चुकी है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात बढक़र 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में करीब 62 प्रतिशत अधिक है। ब्रह्मोस मिसाइल के लिए फिलीपींस, वियतनाम और अन्य देशों के साथ करीब 12,500 करोड़ रुपए के सौदे हो चुके हैं। इंडोनेशिया के साथ लगभग 3,600 करोड़ रुपए की डील अंतिम चरण में है। वहीं, आर्मेनिया को आकाश मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति के लिए 6,100 करोड़ रुपए का करार किया गया है।

100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात

भारत अब 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है। अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया इसके प्रमुख खरीदारों में शामिल हैं। अमेरिका को रक्षा प्रणालियों और कलपुर्जों की बड़ी आपूर्ति की जाती है, जबकि आर्मेनिया जैसे देश भारत से तैयार हथियार खरीद रहे हैं। सरकार ने वर्ष 2029-30 तक रक्षा निर्यात को 50,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। वर्ष 2016-17 में भारत का रक्षा निर्यात केवल 1,522 करोड़ रुपए था, जो एक दशक से भी कम समय में कई गुना बढ़ चुका है।

संपादकीय

पैसे के टीटीई

सही मायने में कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रेनों में टीटीई के उस सर्वमान्य भ्रष्ट आचरण को सार्वजनिक रूप से उजागर किया है, जिसे रेलयात्री कीमत चुकाने के बाद भी कहने में संकोच करते हैं। यात्रियों से खचाखच भरी ट्रेनों में अक्सर मुश्किल से सफर करने वाले यात्री खाली पड़ी बर्थ अलॉट करा लेते हैं। जिसके एवज में उन्हें टीटीई को किराये के अलावा अतिरिक्त पैसा भी देना पड़ता है। यह चलन देशभर में विभिन्न ट्रेनों में दिखायी देता है। लेकिन अक्सर यात्री अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचकर बात को आई-गई मान लेते हैं। लेकिन जब पैसे देकर अपराधियों को दी गई बर्थ के जरिये चलती ट्रेन में कोई बड़ा अपराध हो जाए तो मामला गंभीर हो जाता है। दरअसल, जस्टिस राजशेखर मंथा व जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की बेंच साल 2009 में तीस्ता-तोरस एक्सप्रेस में हुई लूट और मौत के मामले में दो दोषियों की अपील पर सुनवाई कर रही थी। उस दौरान कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि टीटीई खाली बर्थ ऐसे बेचते हैं, जैसे बाजार में सब्जियां बिकती हैं। ऐसे में अपराधी खाली बर्थ खरीदकर आरक्षित कोच तक पहुंच बना लेते हैं। वे फिर यात्रियों के साथ घुल-मिलकर उन्हें लूट लेते हैं। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि पैसे लेकर जनरल टिकट वाले यात्रियों को खाली बर्थ देने से अपराधियों को आरक्षित कोच के यात्रियों तक पहुंचने का मौका मिल जाता है। तीस्ता व तोरस केस में भी जो आपराधिक घटना हुई है, उसमें कई टीटीई ने अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से नही निभायी। दरअसल, सत्रह साल पुराने केस में जलपाईगुड़ी से सियालदह जा रही तीस्ता-तोरसा एक्सप्रेस में जनरल टिकट पर सफर कर रहे दो बदमाशों ने टीटीई को पैसे देकर एस-8 कोच में खाली बर्थ ले ली थी। फिर इन्होंने खाने-पीने की चीजों में नशीला पदार्थ मिलाकर कुछ यात्रियों को बेहोश कर दिया और उनका सामान लूट लिया। घटना में जहरीले पदार्थ से सुनील कुमार दास की मौत हो गई थी, जबकि दूसरा लंबे समय अस्पताल में उपचार के बाद बच गया था। दरअसल, इस मामले में दोनों आरोपियों को दोषी पाया गया, लेकिन पुलिस द्वारा पर्याप्त साक्ष्य न जुटाए जाने के कारण सात साल की जेल के बाद कोर्ट को उन्हें रिहा करना पड़ा। कोर्ट ने टीटीई ही नहीं, पुलिस को भी लापरवाह माना क्योंकि मृतक का विसरा फॉरेंसिक जांच को नहीं भेजा गया। दूसरे यात्री के अस्पताल में उपचार के रिकॉर्ड भी नहीं जुटाए गए। फलतः हत्या के आरोप सिद्ध नहीं हो पाए। इस घटनाक्रम के बाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले की कॉपी पूर्वी रेलवे के महाप्रबंधक समेत देशभर के रेलवे अधिकारियों को भेजने को कहा। ताकि पैसे लेकर खाली बर्थ बेचने वाले टीटीई के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने कदाचार करने वाले रेलवे कर्मचारियों के खिलाफ अधिकतम कार्रवाई करने को कहा क्योंकि टीटीई की लापरवाही ही ट्रेन में घटे इस अपराध की वजह बनी थी। कोर्ट ने कहा कि व्यक्ति सिर्फ चोरी का शिकार हुआ, लेकिन टीटीई के गैर-जिम्मेदार व्यवहार से उसकी जान चली गई। अदालत ने माना कि ऐसे तमाम मामले सामने नहीं आ पाते हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि रेलवे कर्मचारी ईमानदारी से दायित्वों का निर्वहन करें तो यात्रियों का जीवन और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। विडंबना ही है कि अब जब उन्नत तकनीक के जरिये टिकटों के नियमन व सीटों के आवंटन पर पैनी नजर रखना संभव है, तो बर्थ देने में टीटीई की बड़ी भूमिका क्यों है? अक्सर मुश्किलों में सफर कर रहे यात्रियों की मजबूरी का भी टीटीई जमकर फायदा उठाते हैं। सबसे बड़ी विसंगति यह भी है कि दुनिया के सबसे बड़े रेल-नेटवर्कों में शुमार भारतीय रेलवे नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और राजनीतिक हित साधने का माध्यम रहा है। एक समय गठबंधन सरकारों के दौर में रेल मंत्री पद के लिये बड़ी दावेदारी होती थी।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समितिः आस्था, आरोप और अनियमितताओं के अनगिनत सवाल

डॉ बृजेश सती

राम मंदिर में चोरी की घटना के बाद अब बदरीनाथ मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी का मामला सुर्खियों में है। इस घटना से एक बार फिर बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि चढ़ावे में हेराफेरी के आरोप में समिति के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया जा चुका है। लेकिन विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। अब इस मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मंदिर समिति के वर्तमान अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। जिससे समिति के भीतर लंबे समय से चल रहे मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति में नियुक्तियों से लेकर पदोन्नतियों तक, सामग्री क्रय से लेकर आर्थिक अनियमितताओं के दर्जनों मामले यहां फाइलों में दफन हैं। समिति पर भ्रष्टाचार, वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं, भाई-भतीजावाद और संपत्तियों के प्रबंधन में लापरवाही के आरोप नए नहीं हैं। समिति की संपत्तियों की सुरक्षा भी लंबे समय से चिंता का विषय रही है। आरोप हैं कि समिति अपनी भूमि पर अतिक्रमण रोकने और कब्जाधारियों से संपत्तियों को मुक्त कराने में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाई।

तीन वर्ष बाद समिति बोर्ड बदल तो जाता है। लेकिन यहां आरोपों और विवादों का सिलसिला बदस्तूर जारी रहता है। प्रश्न उठता है कि समस्या केवल व्यक्तियों की है या व्यवस्था में ही खामियां हैं। समिति की कार्यशैली और अंदरूनी हालत को इन मामलों से समझने सकते हैं।

2014 में नियुक्ति पाया अधिकारी ले रहा है ओल्ड पेंशन का लाभ

बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति अपने कारनामों से सुर्खियों में बनी रहती है। मामला समिति के विधि अधिकारी से जुड़ा हुआ है। विधि अधिकारी को वर्ष 2014 में नियुक्ति दी गई। 2018 में सेवानिवृत हो गया। लेकिन मंदिर समिति विधि अधिकारी की सेवा जारी रखी। 2 वर्ष तक देवस्थानम बोर्ड भी रहा लेकिन विधि अधिकारी पद पर बने रहे। खास बात यह है कि जब, विधि अधिकारी इस पद पर नियमित नियुक्त हुये। तब उनकी उम्र 56 वर्ष थी। दिलचस्प बात यह है कि 2018 में सेवानिवृत्ति के बाद भी विधि अधिकारी नियत वेतन पर पिछले कई वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद, आखिर विधि अधिकारी पद पर क्यों और कैसे बने रहे।

समिति में इससे पहले इस तरह का कोई मामला सामने नहीं आया। हालांकि बदरीनाथ मंदिर के धर्माधिकारी रहे राधाकृष्ण थपलियाल को 1 वर्ष की अवधि तक धर्माधिकारी पद पर सेवा विस्तार दिया गया। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि विधि अधिकारी 2014 में नियुक्ति हुये। लेकिन बीकेटीसी की ओर से उन्हें ओल्ड पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। शायद यह देश का पहला मामला होगा। जब किसी कर्मचारी को 2005 के बाद नियुक्ति होने पर ओल्ड पेंशन मिल रही है।

समिति की अंदरूनी कलह आई सतह पर

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, समिति के गठन के शुरूआती दौर से ही शीर्ष पदाधिकारियों के बीच मतभेद और खींचतान का माहौल बना हुआ था। हालांकि यह विवाद लंबे समय तक बंद कमरों तक ही सीमित रहा, लेकिन समय-समय पर इसकी चचाएं जरूर होती रहीं। हालिया घटनाक्रम के बाद यह अंदरूनी कलह सार्वजनिक हो गई है। समिति के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने वीआईपी दर्शन के नाम पर 1100 शुल्क वसूले जाने के निर्णय पर अध्यक्ष को निशाने पर लेते हुए आरोप लगाया कि यह व्यवस्था बोर्ड की स्वीकृति के बिना लागू की गई। इस पर अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का कहना है कि सब कुछ नियमानुसार किया गया। जो आय हुई वो मंदिर कोष में जमा हुईं।

आंकड़ों के अनुसार, 29 मई से 8 जुलाई के बीच वीआईपी दर्शन व्यवस्था से मंदिर समिति को लगभग 1.60 करोड़ की आय हुई। बोर्ड गठन के बाद यह पहला अवसर है। जब मंदिर समिति के किसी पदाधिकारी ने सार्वजनिक रूप से समिति की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। सवाल टाइमिंग का है। मुद्दा ठीक ऐसे समय में उठाया गया। जब समिति चढ़ावे में चोरी के अलावा केदारनाथ में अतिथि सत्कार के मामलों की जांच से गुजर रही है। इस पूरे विवाद में उपाध्यक्ष की भूमिका पर भी प्रश्न उठ रहे हैं है। वीआईपी दर्शन व्यवस्था 29 मई से लागू थी, तो इस पर सार्वजनिक आपत्ति 7 जुलाई को ही क्यों दर्ज की गई।

मंदिर समितिः कार्यकताओं को एडजस्ट करने का माध्यम

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के मौजूदा हालात पर सवाल केवल व्यवस्था तक सीमित नहीं हैं। इसके लिए राज्य की मुख्य धारा के दोनों दल भाजपा और कांग्रेस बराबर की जिम्मेदार मानी जा रही हैं। राज्य बनने के बाद यह क्रम बना। जिसकी सरकार, उसकी बीकेटीसी। सत्ता परिवर्तन के साथ मंदिर समिति में भी राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला चलता रहा। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सत्तारूढ़ दल से जुड़े कार्यकताओं और पदाधिकारियों को जगह दी जाती रही है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या समिति का उपयोग धार्मिक और प्रशासनिक दायित्वों से अधिक राजनीतिक समायोजन के लिए है। वर्तमान बोर्ड के कुछ पदाधिकारी और सदस्य अब विधानसभा चुनाव की तैयारियों में भी सक्रिय नजर आ रहे हैं। कुछ ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी राजनीतिक दावेदारी भी पेश कर दी है।

परंपरा से जुड़े लोगों का घटता प्रतिनिधित्व

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति में स्थानीय तीर्थ पुरोहितों, पंडा समाज और मंदिरों से जुड़े हक-हकूकधारियों की भागीदारी सीमित नजर आती है। आंकड़ों से पता चलता है कि 25 से 30 प्रतिशत लोगों को बोर्ड में स्थान मिल पाता है।

वर्तमान में 15 सदस्यीय बोर्ड में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष, राज्य सरकार द्वारा नामित 10 सदस्य तथा दो विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल हैं। इनमें बदरीनाथ और केदारनाथ की परंपराओं एवं धार्मिक व्यवस्थाओं से सीधे जुड़े केवल चार लोगों को ही जगह मिली।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के दो बार सदस्य रह चुके जगदीश प्रसाद डिमरी का कहना है कि मंदिर समिति में परंपरा से जुड़े लोगों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उनके अनुसार मंदिरों की परंपराओं, रीति-रिवाजों और व्यवस्थाओं की गहरी समझ होती है। साथ ही उनका मंदिरों से भावनात्मक जुड़ाव भी होता है। जिससे वे प्रबंधन और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

डिमरी का कहना है कि भविष्य में जब भी मंदिर समिति का गठन हो, सरकार को तीर्थ पुरोहितों, हक-हकूकधारियों और परंपरा से जुड़े स्थानीय प्रतिनिधियों को समुचित स्थान देने पर ध्यान देना चाहिए।

पारदर्शिता और बेहतर प्रबंधन पर ध्यान दे समित

जिस तरह के हालत इस समय बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति में है और समिति सुर्खियों में बनी हुई है। उसको देखते हुए मंदिर समिति एक्ट में व्यापक स्तर पर बदलाव किए जाने की आवश्यकता है। समिति में पदाधिकारियों और सदस्यों के चयन में राजनीतिक कार्यकताओं के चयन के बजाय समाज के अलग-अलग वर्गों के अनुभवी, जानकार, विशेषज्ञों, तीर्थ पुरोहितों, हकूकधारियों को वरीयता दी जानी चाहिए।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति की जिम्मेदारी केवल मंदिरों के प्रबंधन तक सीमित नहीं है। बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास को बनाए रखना है। राज्य सरकार की यह नैतिक दायित्व है कि वो मंदिर समिति गठन करते समय सभी पहलुओं को ध्यान में रखे। जिससे बीकेटीसी प्रबंधन विवादों से ऊपर उठकर पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी से कार्य कर जनआकांक्षाओं पर खरा उतर सके।

भारत की आर्थिक कूटनीति का नया क्षितिज, न्यूजीलैंड के साथ खुले निवेश, व्यापार और वैश्विक सप्लाई चेन के नए द्वार

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

चार दशक बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूजीलैंड यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत की विदेश नीति का केंद्र अब बहुत विस्तारित हो गया है। आर्थिक कूटनीति, वैश्विक निवेश, तकनीकी सहयोग के साथ मुक्त व्यापार और विश्वसनीय सप्लाई चेन का निर्माण आज की जरूरत है, जिसके अनुरूप ही इन दिनों भारत की विदेशनीति कार्य करते हुए देखी जा सकती है।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच हुई वार्ता में रक्षा के साथ ही शिक्षा, कृषि और समुद्री सुरक्षा जैसे विषयों के साथ-साथ व्यापार और निवेश को जिस प्राथमिकता से स्थान मिला, उसने यह संकेत दिया है कि आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच परस्पर तेज आर्थिक विकास होगा।

आर्थिक मामलों के विश्लेषक, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रो. मनोज पूनिया इस यात्रा को लेकर कहते हैं, प्रधानमंत्री मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा इसी परिवर्तन का प्रत्यक्ष उदाहरण है। चार दशक बाद हुई इस यात्रा में दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक उन्नत किया और वर्ष 2030 तक सहयोग का विस्तृत रोडमैप तैयार किया। इसमें व्यापार, निवेश, रक्षा, शिक्षा, कृषि, नवाचार, समुद्री सहयोग और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे 18 प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

प्रो. पूनिया इस बात की ओर भी ध्यान आकर्षित करते हैं कि भारत और न्यूजीलैंड के आर्थिक संबंध अभी अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंचे हैं, लेकिन उपलब्ध आंकड़े भविष्य की संभावनाओं की ओर स्पष्ट संकेत देते हैं। दिसंबर 2025 तक दोनों देशों के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 3.95 अरब न्यूजीलैंड डॉलर तक पहुंच चुका था। इसमें न्यूजीलैंड का भारत को निर्यात 2.03 अरब न्यूजीलैंड डॉलर रहा। भारत आज न्यूजीलैंड के लिए तेजी से उभरते निर्यात बाजारों में शामिल है और आने वाले वर्षों में यह महत्व और बढ़ने की संभावना है।

उन्होंने कहा, दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक इस व्यापार को लगभग दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। निश्चित ही यह निर्णय दोनों अर्थव्यवस्थाओं को दीर्घकालिक साझेदारी में बदलने की रणनीति है। आज भारत के पास राजनीतिक स्थिरता, विशाल घरेलू बाजार, प्रतिस्पर्धी विनिर्माण क्षमता, डिजिटल अवसंरचना और कुशल मानव संसाधन का ऐसा संयोजन है, जोकि वैश्विक कंपनियों को आकर्षित कर रहा है। न्यूजीलैंड के साथ कृषि मूल्य श्रृंखला, खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री लॉजिस्टिक्स, कोल्ड चेन और निर्यात अवसंरचना में सहयोग इस व्यापक रणनीति का हिस्सा है। यदि दोनों देश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ते हैं, तो भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र की आपूर्ति श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

साथ में प्रो. मनोज पूनिया का मानना यह भी है कि लगभग ढाई लाख भारतीय मूल के लोग आज न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्था का सक्रिय हिस्सा हैं। सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यापार, वित्तीय सेवाओं और उद्यमिता में उनकी उल्लेखनीय भूमिका है। यही समुदाय दोनों देशों के बीच निवेश, व्यापार और सांस्कृतिक विश्वास का सबसे प्रभावी सेतु भी बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रवासी भारतीयों को भारत की विकास यात्रा का सहभागी बताया, जबकि प्रधानमंत्री लक्सन ने भी भारतीय समुदाय के योगदान की खुलकर सराहना की। स्पष्ट है कि आने वाले समय में यही समुदाय दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को और मजबूत करेगा।

मुक्त व्यापार समझौता बनेगा गेम चेंजर

मध्य प्रदेश उच्चशिक्षा विभाग में वित्त के प्रोफेसर डॉ. बीएमएस भदौरिया का कहना है, भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बनी सहमति इस पूरी यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अप्रैल 2026 में हस्ताक्षरित इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड के लगभग 95 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क में कमी या समाप्ति का प्रावधान है, जबकि बड़ी संख्या में भारतीय उत्पादों को भी न्यूजीलैंड के बाजार में आसान और प्रतिस्पर्धी पहुंच मिलेगी।

उन्होंने कहा, समझौते के लागू होने के पहले दिन से ही न्यूजीलैंड के लगभग 57 प्रतिशत निर्यात को शुल्क-मुक्त पहुंच मिलने का प्रावधान है, जबकि आगे चलकर यह दायरा और विस्तृत होगा। जिसमें कि भारतीय उद्योग जगत के लिए इसका महत्व अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि इससे भारतीय फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, वस्त्र, रसायन, तैयार खाद्य पदार्थ, आईटी सेवाएं और लघु एवं मध्यम उद्योगों के उत्पादों को एक विकसित और उच्च क्रय-शक्ति वाले बाजार तक अधिक सहज पहुंच मिलेगी।

किन क्षेत्रों में बढ़ेगा सबसे अधिक व्यापार?

प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री लक्सन की वार्ता के दौरान जिन क्षेत्रों को विशेष प्राथमिकता दी गई, वे आने वाले वर्षों में दोनों देशों के आर्थिक संबंधों की दिशा तय करेंगे। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। न्यूजीलैंड डेयरी तकनीक, पशुपालन, बागवानी और कृषि अनुसंधान में विश्व के अग्रणी देशों में है, जबकि भारत विशाल कृषि बाजार और खाद्य प्रसंस्करण क्षमता रखता है।

वानिकी और लकड़ी उद्योग पहले से ही दोनों देशों के व्यापार का बड़ा हिस्सा हैं। वर्ष 2025 में न्यूजीलैंड से भारत को वानिकी उत्पादों का निर्यात लगभग 399 मिलियन न्यूजीलैंड डॉलर रहा। इसके अलावा सेब, कीवीफ्रूट, ऊन, एल्यूमिनियम और लौह-इस्पात भी प्रमुख निर्यात उत्पादों में शामिल रहे। दूसरी ओर भारत से न्यूजीलैंड को फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोलियम उत्पाद, वस्त्र, मशीनरी, इंजीनियरिंग उत्पाद, ऑटो कंपोनेंट्स, रसायन और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं के निर्यात में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। एफटीए के बाद इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार की संभावना व्यक्त की जा रही है।

भारत बाजार से आगे निवेश का गंतव्य है

प्रोफेसर अनिल शिवानी, वाणिज्य एवं प्रबंधन उच्च शिक्षा मध्य प्रदेश का कहना है, प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण संदेश वैश्विक निवेशकों के लिए भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के उद्योग जगत को भारत के अवसंरचना विकास, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, लॉजिस्टिक्स, जल प्रबंधन, विमानन, स्मार्ट शहरों और विनिर्माण क्षेत्र में निवेश का आमंत्रण दिया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी पूरे विश्व में भारत का परचम लहरा रहे हैं। उनकी इन विदेश यात्राओं का आर्थिक महत्व होने के साथ बहुत अधिक कूटनीतिक महत्व भी है। वे कहते हैं, आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। विशाल घरेलू बाजार, युवा कार्यबल, तेजी से विकसित हो रही डिजिटल अर्थव्यवस्था और लगातार सुधरता कारोबारी वातावरण उसे वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बना रहा है। यही कारण है कि भारत अब केवल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक उत्पादन और नवाचार का केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

प्रोफेसर अनिल शिवानी यह भी कहते हैं, प्रधानमंत्री मोदी संपूर्ण विश्व में भारत का परचम फहरा रहे हैं। वे जहां भी जा रहे हैं, वहां भारत का मस्तक ऊंचा नहीं हो रहा बल्कि उस देश में रह रहे अप्रवासी भारतीय भी अपने देश के प्रधानमंत्री को अपने नजदीक पाकर के गर्व महसूस कर रहे हैं। वे जिस तरह से सोचते हैं, उसका परिणाम यह है कि विश्व समुदाय में उनके प्रति आदर-सम्मान से अधिक श्रद्धा का भाव प्रवल हुआ है। भारत आज हर विपदा में दुनिया के प्रत्येक देश के लिए मदद के लिए खड़ा हो जाता है, यह मोदीजी के नेतृत्व का ही परिणाम है। निश्चित ही उनके कार्यों से भारत की विश्व स्वीकार्यता निरंतर बढ़ रही है।

कृषि, डेयरी और एग्री-टेक में खुलेगा अरबों डॉलर का नया बाजार

इसी संदर्भ में जीवाजी विश्वविद्यालय में वाणिज्य के प्रोफेसर एसके सिंह का कहना है कि भारत और न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्थाएं अलग-अलग होने के बावजूद एक-दूसरे की पूरक हैं। न्यूजीलैंड विश्वस्तरीय डेयरी तकनीक, पशुधन प्रबंधन, कृषि अनुसंधान, बागवानी और खाद्य गुणवत्ता मानकों के लिए जाना जाता है, जबकि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक, विशाल कृषि बाजार और तेजी से बढ़ते खाद्य प्रसंस्करण उद्योग वाला देश है। दोनों देशों के बीच सहमति बनी है कि कृषि अनुसंधान, जल प्रबंधन, डेयरी विज्ञान, जैव सुरक्षा, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि नवाचार में संस्थागत सहयोग बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादकता और नियातोन्मुख खेती का लाभ मिल सकता है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड की कंपनियों को भारत जैसे विशाल बाजार तक पहुंच मिलेगी। यह साझेदारी कृषि को परंपरागत उत्पादन से आगे बढ़ाकर वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जोड़ने का अवसर प्रदान करती है।

इन क्षेत्रों में भी हुए हैं, प्रभावी अनुबंध

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना बन चुकी है। यूपीआई, डिजिटल भुगतान प्रणाली, आधार आधारित सेवाएं, स्टार्टअप इकोसिस्टम और फिनटेक नवाचार ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। यही कारण है कि न्यूजीलैंड ने डिजिटल प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, फिनटेक और नवाचार आधारित उद्योगों में भारत के साथ सहयोग बढ़ाने में विशेष रुचि दिखाई है।

इसके साथ ही नई साझेदारी के तहत उच्च शिक्षा, कौशल विकास, शोध, व्यावसायिक प्रशिक्षण और विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को और व्यापक बनाने पर सहमति बनी है। दोनों देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नियम-आधारित व्यवस्था, सुरक्षित समुद्री मार्गों और निर्बाध व्यापार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इसका सीधा लाभ वैश्विक व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मिलेगा।

भारत की वैश्विक आर्थिक छवि को मिली नई मजबूती

इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब विश्व मंच पर भरोसेमंद आर्थिक साझेदार के रूप में स्थापित हो रहा है। न्यूजीलैंड जैसे विकसित और उच्च आय वाले देश का भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी स्थापित करना इस बात का प्रमाण है कि वैश्विक निवेशक और विकसित अर्थव्यवस्थाएं भारत को भविष्य की विकास गाथा का प्रमुख केंद्र मान रही हैं। विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विभिन्न वैश्विक आर्थिक संस्थानों द्वारा लगातार भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बताया जा रहा है। ऐसे समय में न्यूजीलैंड के साथ यह नई साझेदारी भारत की आर्थिक विश्वसनीयता को और मजबूत करती है।

विश्व युवा कौशल दिवस (15 जुलाई) पर विशेष

साझा भविष्य की सबसे मजबूत नींव है युवा कौशल क्रांति

योगेश कुमार गोयल

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है।

दरअसल, पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निमार्ताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है।

विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दशार्ता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है। युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए साझा भविष्य के लिए कौशल विषय निर्धारित किया गया है जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशलों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो। भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है इसलिए युवाओं के समक्ष आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता तक पहुंच जैसी बहुमुखी चुनौतियों के समाधान की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। इसके लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य तथा अधिक उत्पादक बनाने के लिए गंभीर पहल किए जाने की भी जरूरत है। भारत में केंद्र सरकार की ऐसी ही महत्वपूर्ण पहल है कौशल भारत, जिसके जरिये सफल होने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करने के प्रयास किए जाते हैं। स्किलिंग इंडिया के तहत कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारतीयों में ऐसे कौशल विकसित करने की पहल और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में योगदान बढ़ा सकें।

जब नौकरशाही खुद कटघरे में खड़ी हो जाए

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा की प्रशासनिक व्यवस्था इन दिनों ऐसे दौर से गुजर रही है जिसने भारतीय नौकरशाही की विश्वसनीयता, पारदर्शिता और आंतरिक एकजुटता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। सामान्यतः भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों को शासन व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे राजनीतिक परिवर्तन के बावजूद प्रशासनिक निष्पक्षता, संवैधानिक मूल्यों और जनहित को सर्वोपरि रखें। किंतु जब स्वयं उसी सेवा के अधिकारी एक-दूसरे पर आरोप लगाने लगें, जांच एजेंसियों के समक्ष एक-दूसरे की भूमिका पर प्रश्न उठाने लगें और प्रशासनिक तंत्र के भीतर अविश्वास का वातावरण बन जाए तब यह केवल कुछ व्यक्तियों का मामला नहीं रह जाता बल्कि पूरी शासन व्यवस्था की साख पर प्रभाव डालता है। हाल के घटनाक्रम में हरियाणा के कई आईएएस अधिकारियों की गिरफ्तारी, अन्य अधिकारियों के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति तथा आपसी आरोप-प्रत्यारोप ने यही संकेत दिया है कि मामला व्यक्तिगत दायित्व से आगे बढ़कर संस्थागत संकट का रूप ले रहा है।

बताया गया है कि बैंकिंग और सरकारी धन से जुड़े बड़े वित्तीय अनियमितता प्रकरण में कई वरिष्ठ अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई हुई है। कुछ अधिकारी गिरफ्तार हुए, जबकि अन्य के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत अभियोजन की स्वीकृति दी गई। सबसे अधिक चर्चा इस बात की रही कि इस बार प्रशासनिक सेवा के भीतर वह परंपरागत एकजुटता दिखाई नहीं दी, जिसकी अपेक्षा अक्सर ऐसे मामलों में की जाती रही है। इसके विपरीत विभिन्न अधिकारियों द्वारा अपने बचाव में दूसरे अधिकारियों की भूमिका पर प्रश्न उठाए गए, फाइल नोटिंग, मौखिक निर्देश और निर्णय प्रक्रिया को लेकर नए विवाद सामने आए। इससे यह धारणा बनी कि प्रशासनिक सेवा के भीतर विश्वास का ताना-बाना कमजोर हो रहा है।

यह स्थिति केवल हरियाणा तक सीमित नहीं मानी जानी चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों में नौकरशाही और राजनीति के संबंधों, प्रशासनिक जवाबदेही, जांच एजेंसियों की भूमिका तथा निर्णय प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर लगातार बहस होती रही है। किंतु हरियाणा का मामला इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां विवाद केवल सरकार और अधिकारियों के बीच नहीं बल्कि अधिकारियों के बीच ही खुलकर सामने आया है। इससे प्रशासनिक सेवा की उस सामूहिक छवि को आघात पहुंचा है जो निष्पक्षता, गोपनीयता और संस्थागत अनुशासन पर आधारित मानी जाती है। लोकतांत्रिक शासन में किसी भी अधिकारी का कानून से ऊपर होना स्वीकार्य नहीं है। यदि किसी अधिकारी ने भ्रष्टाचार किया है, सरकारी धन के दुरुपयोग में भूमिका निभाई है अथवा अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है तो उसके विरुद्ध निष्पक्ष जांच और विधि सम्मत कार्रवाई अनिवार्य है। लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि जांच प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और राजनीतिक प्रभाव से मुक्त दिखाई दे। केवल न्याय होना पर्याप्त नहीं, न्याय होते हुए दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि अधिकारियों के बीच असहजता दिखाई दी कि राज्य की जांच एजेंसी द्वारा कार्रवाई के बाद मामला केंद्रीय जांच एजेंसी तक कैसे पहुंचा। कुछ अधिकारियों ने इस निर्णय पर भी प्रश्न उठाए हैं। हालांकि किसी भी मामले की जांच किस एजेंसी द्वारा होगी, यह संबंधित परिस्थितियों और कानूनी प्रक्रिया पर निर्भर करता है लेकिन ऐसी स्थितियां प्रशासनिक मनोबल को प्रभावित करती हैं और सेवा के भीतर असुरक्षा की भावना पैदा कर सकती हैं।

प्रशासनिक सेवा का मूल आधार केवल अधिकार नहीं बल्कि उत्तरदायित्व है। प्रत्येक फाइल, प्रत्येक वित्तीय स्वीकृति और प्रत्येक प्रशासनिक निर्णय सामूहिक प्रक्रिया का हिस्सा होता है। इसलिए यदि किसी स्तर पर अनियमितता हुई है तो केवल अंतिम हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी को दोषी मान लेना भी उचित नहीं होगा और केवल यह कहकर जिम्मेदारी से बच निकलना भी उचित नहीं कि निर्णय सामूहिक था। जांच का उद्देश्य व्यक्तिगत दायित्व निर्धारित करना होना चाहिए, न कि केवल कुछ नामों को चिन्हित कर देना।

यह भी विचारणीय है कि क्या हमारी प्रशासनिक प्रणाली में निर्णय लेने की प्रक्रिया पर्याप्त रूप से प्रलेखित होती है। आज भी अनेक महत्वपूर्ण निर्णय मौखिक निदेशों, अनौपचारिक बैठकों और फोन पर हुई चचाओं के आधार पर आगे बढ़ जाते हैं। जब तक सब कुछ सामान्य चलता है, तब तक यह व्यवस्था सुविधाजनक लगती है लेकिन जैसे ही कोई विवाद सामने आता है, वही मौखिक निर्देश सबसे बड़ा विवाद बन जाते हैं। इसलिए शासन व्यवस्था में प्रत्येक महत्वपूर्ण निर्णय का लिखित रिकॉर्ड, डिजिटल ट्रैकिंग और स्पष्ट उत्तरदायित्व तय होना चाहिए।

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष नौकरशाही के मनोबल से जुड़ा है। ईमानदार अधिकारियों के मन में यह आशंका पैदा हो सकती है कि यदि भविष्य में किसी सामूहिक निर्णय पर विवाद हुआ तो कहीं उन्हें भी बिना पर्याप्त सुरक्षा के कठघरे में न खड़ा कर दिया जाए।

केंद्रीय वस्त्र मंत्री ने भारत टेक्स 2026 का किया उद्घाटन

माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री, श्री गिरिराज सिंह ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत के प्रमुख वैश्विक वस्त्र आयोजन भारत टेक्स 2026 का उद्घाटन किया। इसके साथ ही रिकॉर्ड अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी के साथ दुनिया के सबसे बड़े एकीकृत वस्त्र मूल्य श्रृंखला आयोजन की शुरूआत हो गई है।

भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन (इळळत्र्) द्वारा आयोजित, भारत टेक्स 2026 ने हजारों व्यावसायिक प्रदर्शकों, 140 से अधिक देशों के 7,000 से अधिक खरीदारों और 1.3 लाख से अधिक व्यापार आगंतुकों को एक साथ लाया है। 1,60,000 वर्ग मीटर से अधिक के क्षेत्र में फैले इस आयोजन में 20,000 से अधिक क्यूरेटेड डिस्प्ले शामिल हैं, जो एक विश्वसनीय वैश्विक सोर्सिंग गंतव्य और लचीली, टिकाऊ एवं नवाचार-संचालित वस्त्र मूल्य श्रृंखलाओं में एक रणनीतिक भागीदार के रूप में भारत के उभरने की पुष्टि करते हैं। इस उद्घाटन समारोह में माननीय वस्त्र राज्य मंत्री श्री पबित्र मार्गेरिटा; सुश्री नीलम शमी राव, सचिव, वस्त्र मंत्रालय; भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी; श्री नरेन गोयनका, अध्यक्ष, और श्री भद्रेश दोढ़िया, सह-अध्यक्ष, आयोजन समिति, भारत टेक्स; भागीदार राज्यों के मंत्री और अधिकारी; वैश्विक खरीदार; सोर्सिंग प्रमुख; उद्योग जगत के नेता; निर्यातक; निवेशक; और अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र के प्रतिनिधि शामिल हुए।

भारत टेक्स की बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय प्रोफाइल को दशार्ते हुए, समारोह में रूसी संघ के कृषि मंत्री माननीय तिमुर गावेव के नेतृत्व में एक रूसी मंत्री स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुआ। साथ ही, न्यूजीलैंड के कृषि संबद्ध मंत्री और ग्रामीण समुदायों के मंत्री माननीय मार्क पैटरसन के नेतृत्व में उच्चायुक्त और मंत्री स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भी इसमें हिस्सा लिया, जिससे वैश्विक व्यापार और नीतिगत संवाद के मंच के रूप में इस आयोजन के उभरने को और मजबूती मिली। भारत टेक्स 2026 फाइबर, सूत(yarns), कपड़े, परिधान (apparel), होम टेक्सटाइल, टेक्निकल टेक्सटाइल, हथकरघा, हस्तशिल्प, मशीनरी, स्थिरता, नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों को कवर करते हुए भारत के संपूर्ण वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र को प्रदर्शित करता है। चार दिनों तक चलने वाला यह आयोजन व्यापार, निवेश, नीति संवाद और अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक जुड़ाव के लिए एक व्यापक मंच के रूप में कार्य करता है, जो वैश्विक वस्त्र मूल्य श्रृंखला के हितधारकों को एक साथ लाता है।

सभा को संबोधित करते हुए श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत टेक्स केवल तीन संस्करणों में व्यापार, निवेश, नवाचार और नीति संवाद के लिए एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मंच के रूप में विकसित हुआ है, जो भारत की विनिर्माण क्षमताओं, नीतिगत पारिस्थितिकी तंत्र और दीर्घकालिक विकास क्षमता में वैश्विक वस्त्र उद्योग के विश्वास को दशार्ता है। माननीय प्रधानमंत्री के 5ऋविजन (फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन) का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत टेक्स भारतीय उद्यमों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने और अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की स्थिति को मजबूत करने का एक शक्तिशाली मंच बन गया है। उन्होंने कहा, दुनिया को केवल एक आपूर्तिकर्ता की आवश्यकता नहीं है - बल्कि बड़े पैमाने पर नवाचार करने वाले एक विश्वसनीय भागीदार की आवश्यकता है। टिकाऊ और चक्रीय(circular)फाइबर से लेकर स्मार्ट विनिर्माण और टेक्निकल टेक्सटाइल तक, भारत वस्त्रों के भविष्य का नेतृत्व कर रहा है।

इस क्षेत्र के विकास को आधार देने वाली नीतिगत नींव पर प्रकाश डालते हुए, माननीय मंत्री ने कहा कि देश भर में सात पीएम मित्रा मेगा टेक्सटाइल पार्क विकसित किए जा रहे हैं, जिसमें लगभग 70,000 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है और इससे 21 लाख से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है।

उन्होंने आगे जोड़ा कि प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना मानव निर्मित फाइबर, टेक्निकल टेक्सटाइल और उच्च मूल्य वाले गारमेंटिंग में निवेश को आकर्षित कर रही है, और समर्थ योजना ने 5 लाख से अधिक लोगों को कुशल बनाया है, जिनमें से लगभग 88% महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि ये हस्तक्षेप भारत के वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र को एक वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण आधार में बदल रहे हैं, जो अधिक निवेश को आकर्षित करने, निर्यात बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण रोजगार पैदा करने में सक्षम है। वैश्विक बाजारों के साथ भारत के बढ़ते जुड़ाव का जिक्र करते हुए, श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत के हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते, जिनमें भारत-ऑस्ट्रेलिया, भारत-यूएई और भारत-ओमान, और भारत-यूके शामिल हैं, बाजार पहुंच को मजबूत करके और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में गहरे एकीकरण को सक्षम करके भारतीय कपड़ा निर्यात के लिए नए अवसर खोल रहे हैं।

इसके साथ ही यूरोपीय संघ और अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ बातचीत प्रगति पर है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये समझौते, भारत की विनिर्माण क्षमताओं और नीतिगत सुधारों के साथ मिलकर, देश को एक तेजी से विविध और लचीली वैश्विक कपड़ा आपूर्ति श्रृंखला में पसंदीदा सोर्सिंग भागीदार के रूप में उभरने की स्थिति में लाते हैं।

करोल बाग में खुला कैंटाबिल का सबसे बड़ा स्टोर

देश के प्रमुख फैशन रिटेल ब्रांड कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड ने दिल्ली के प्रतिष्ठित शॉपिंग हब करोल बाग में अपने अब तक के सबसे बड़े स्टोर का शुभारंभ किया है। करोल बाग के प्लॉट नंबर 45 और 46, ब्लॉक-5, डब्ल्यूईए में स्थित यह नया स्टोर 7,874 वर्गफुट क्षेत्र में फैला हुआ है और कंपनी के 25 वर्षों के सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। देशभर में 650 से अधिक स्टोर्स के मजबूत नेटवर्क के साथ कैंटाबिल ने इस नए आउटलेट के जरिए भारतीय फैशन रिटेल सेक्टर में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है। कंपनी का कहना है कि यह स्टोर ग्राहकों को विश्वस्तरीय खरीदारी अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ आधुनिक रिटेल के नए मानक स्थापित करेगा। यह स्टोर एक संपूर्ण फैमिली फैशन डेस्टिनेशन के रूप में तैयार किया गया है, जहां पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए कपड़ों की विस्तृत रेंज उपलब्ध है। इसके अलावा ग्राहकों को फुटवियर और फैशन एक्सेसरीज का प्रीमियम कलेक्शन भी एक ही छत के नीचे मिलेगा।

रोजमर्रा के कैजुअल परिधानों से लेकर फॉर्मल और खास अवसरों के लिए तैयार किए गए कलेक्शंस तक, यहां हर आयु वर्ग और हर जरूरत के लिए विकल्प मौजूद हैं। स्टोर के इंटीरियर को आधुनिक डिजाइन, विशाल लेआउट, आकर्षक विजुअल मर्चेंडाइजिंग और बेहतर प्रोडक्ट डिस्प्ले के साथ तैयार किया गया है। कैंटाबिल का दावा है कि ग्राहकों को यहां खरीदारी के दौरान आराम, सुविधा और बेहतर अनुभव मिलेगा।

कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक विजय बंसल ने कहा करोल बाग में हमारे सबसे बड़े स्टोर का उद्घाटन हमारे लिए बेहद खास अवसर है। दिल्ली हमेशा से कैंटाबिल के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार रहा है और करोल बाग देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित शॉपिंग केंद्रों में से एक है। यह नया स्टोर पिछले 25 वर्षों की हमारी यात्रा और ग्राहकों की बढ़ती मांग का प्रतीक है। हम आगे भी अपने विस्तार और बेहतर ग्राहक अनुभव के लिए निवेश जारी रखेंगे। कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक दीपक बंसल ने कहा हम चाहते थे कि यह स्टोर कैंटाबिल की पूरी पहचान को दर्शाए। पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए फैशन, फुटवियर और एक्सेसरीज की व्यापक रेंज के साथ इसे वन-स्टॉप शॉपिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया गया है। हमें विश्वास है कि यह नया स्टोर दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के ग्राहकों के साथ हमारे रिश्ते को और मजबूत करेगा।

विदित हो कि साल 2000 में अपनी शुरूआत करने वाली कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड आज देश के प्रमुख फैमिली-वियर ब्रांड्स में शामिल है। कंपनी ने वर्ष 2000 में पुरुषों के परिधानों के साथ अपनी शुरूआत की थी, जबकि 2007 में महिलाओं के परिधान और 2018 में बच्चों के लिए विशेष कलेक्शन लॉन्च किया गया। वर्ष 2023 में कंपनी ने एथलीजर वियर और फुटवियर सेगमेंट में भी कदम रखा।

आज कैंटाबिल के पोर्टफोलियो में शर्ट, ट्राउजर, डेनिम, सूट, ब्लेजर, जैकेट, परफ्यूम, वॉलेट और अन्य फैशन एक्सेसरीज शामिल हैं। कंपनी के उत्पाद देश के प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स मिंत्रा, अजियो, फ्लिपकार्ट, अमेजन, नायका और टाटा क्लिक पर भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा ग्राहक कैंटाबिल की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से भी खरीदारी कर सकते हैं। करोल बाग में खुला यह नया स्टोर केवल एक रिटेल विस्तार नहीं, बल्कि बदलती उपभोक्ता पसंद और आधुनिक खरीदारी अनुभव के प्रति कैंटाबिल की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कंपनी आने वाले समय में भी देशभर में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए फैशन रिटेल सेक्टर में नए आयाम स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ती रहेगी।

सिंधु समाज दिल्ली 16 जुलाई से भगवान झूलेलाल का चालीहा कार्यक्रम मनाएगा

दुनिया भर में सिंधी समाज भगवान झूलेलाल जी का 16 जुलाई से 25 अगस्त तक 40 दिन तक धूमधाम से चालीहा कार्यक्रम मनाएंगे

सिंधी समाज ने राम मंदिर को 200 किलो चांदी दान नहीं किया वो तो सिंधी समाज की एक संस्था के कुछ लोगों द्वारा दान किया गया

नई दिल्ली। सिंधु समाज दिल्ली (पंजीकृत) 16 जुलाई 2026 से 25 अगस्त 2026 तक पुराना राजेंद्र नगर, दिल्ली में बड़ी धूमधाम के साथ भगवान श्री झूलेलाल जी की आराधना में 40 दिनों तक चलने वाले चालीहा कार्यक्रम को बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा इसकी जानकारी सिंधु समाज दिल्ली (पंजीकृत) के अध्यक्ष श्री जगदीश नागरानी और महासचिव श्री नरेस बेलानी ने प्रेसवार्ता में पत्रकारों को दिया उन्होंने आगे कहा 16 जुलाई 2026 से रोजाना शाम 7 बजे से 8 बजे तक सिंधु भवन के झूलेलाल मंदिर में भक्तजन भगवान झूलेलाल जी की आराधना करेंगे। इस अवसर पर सिंधु समाज दिल्ली (पंजीकृत) के महासचिव श्री नरेश कुमार बेलानी ने पत्रकारों को बताया 16 जुलाई 2026 को भगवान झूलेलाल जी का चालीहा कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर क्षेत्र की माननीय सांसद श्रीमती बांसुरी स्वराज सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होने की संभावना है। श्री नरेश कुमार बेलानी ने आगे कहा 40 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में भगवान झूलेलाल जी के दर्शन करने के लिए सभी राजनीतिक दलों के कई सांसदों, विधायकों, निगम पार्षदों सहित सरकारी अधिकरियों ने अपने आने की स्वीकृति प्रदान किया है।

सिंधी समाज द्वारा राम मंदिर को 200 किलो चांदी दान देने और उसकी चोरी होने के एक सवाल का जबाब देते हुए सिंधु समाज दिल्ली (पंजीकृत) के महासचिव श्री नरेस बेलानी और सिंधी संवाद के प्रधान सम्पादक श्रीकांत भाटिया ने बताया सिंधी समाज ने राम मंदिर को 200 किलो चांदी दान नहीं किया वो तो सिंधी समाज की एक संस्था के कुछ लोगों द्वारा दान किया गया था।

उस दान की चोरी का आरोप सिंधी समाज ने नहीं लगाया बल्कि सिंधी समाज की एक संस्था जो अभी कुछ वर्ष पहले बनी थी उसने आरोप लगाया सिंधी समाज सरकार और मंदिर ट्रस्ट से अनुरोध करते हैं और हमें विश्वाश भी है इस आरोप की जांच होगी और इसमें संग्लन लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी।

हिन्द में सिंध कैसा हो इस सवाल का जवाब देते हुए लाल साईं मंदिर, लाजपत नगर के श्री राजेश जेठानी ने कहा हमें हिन्द में सिंध का प्रारूप के लिए जल्द ही सिंधु समाज दिल्ली के तत्वाधान में सिंधी समाज के प्रमुख संस्थाओं से अपील करेंगे की अपना राजनीतिक मतभेद छोड़कर एक जुट होकर हिन्द में सिंध बनाने का प्रारूप तैयार करें ताकि सरकार को सिंधी समाज की भावनाओं से अवगत कराया जा सके। इसी बात को आगे बढ़ाते हुए गुरूग्राम सिंधी पंचायत के श्री विनोद कुमार पहिलजानी ने कहा हम सिंधी समाज सिंधु समाज दिल्ली के तत्वाधान में केंद्र सरकार से अनुरोध करते है हमें जल्द से जल्द केंद्र की और से सिंधु भवन दिया जाए ताकि सिंधी समाज को सिंधु भवन से राज्य होने का अहसास हो और दुनिया भर के सिंधी समाज की पहचान बन सके। और सिंधी समाज अपनी पहचान को वहां प्रदर्शित भी कर सके। इस अवसर पर सिंधु समाज दिल्ली (पंजीकृत) के उपाध्यक्ष श्री हरीश ककवानी, उपाध्यक्ष श्री किशन झुरानी, कोषाध्यक्ष श्री कमल टेकचंदानी, अतिरिक्त महासचिव श्री अशोक डीप चंदानी, अतिरिक्त महासचिव श्री कमल पी रामचांदानी, अतिरिक्त महासचिव श्री सूरज प्रकाश तेवानी, अतिरिक्त महासचिव डॉक्टर जगदीश भाटिया, कार्यकारणीय सदस्य श्री मनोहर लाल रंगवानी सहित काफी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

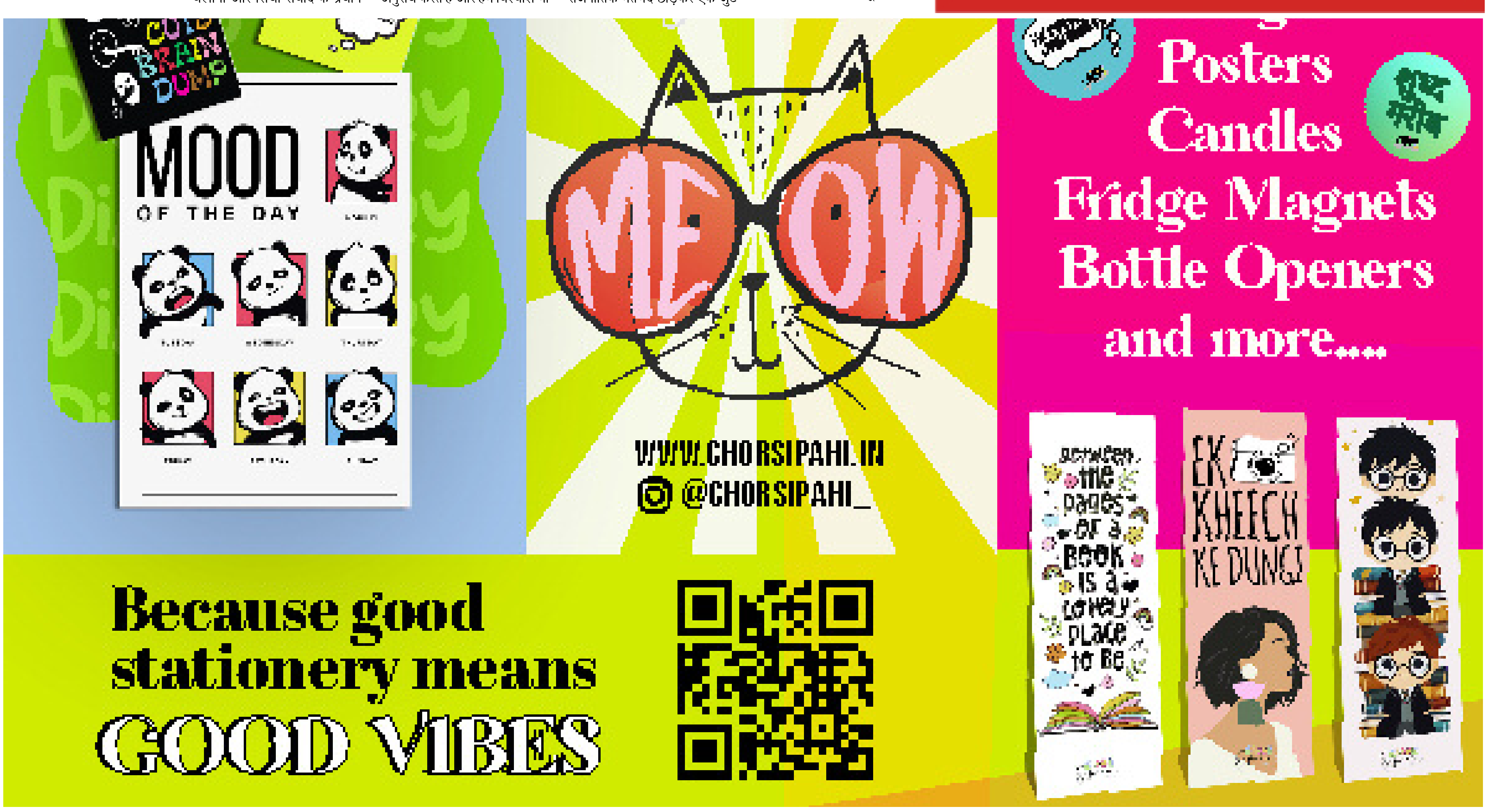

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY PERFORMANCE COMMITMENT
POWERING A BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1, New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

हर महिला को है बिना डर के जीने और बड़े सपने देखने का अधिकार : प्रिया दत्त

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता, पूर्व सांसद और सामाजिक कार्यकर्ता प्रिया दत्त ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सुरक्षित समाज का निर्माण तभी संभव है, जब हर व्यक्ति अन्याय के खिलाफ आवाज उठाए। प्रिया दत्त ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए अपने पोस्ट में कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा केवल किसी एक व्यक्ति या कानून की जिम्मेदारी नहीं है। उनके अनुसार, जब तक समाज मिलकर गलत के खिलाफ नहीं बोलेगा, तब तक सुरक्षित माहौल नहीं बन सकेगा। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा कि जब भी कोई लड़की खुद को असुरक्षित महसूस करती है, तो हम एक अच्छी दुनिया बनाने के सपने से थोड़ा दूर हो जाते हैं। यह मामला सिर्फ किसी एक खबर या घटना का नहीं, बल्कि हर उस महिला और बच्चे से जुड़ा है, जिन्हें आजादी से जीने, बड़े सपने देखने और बिना किसी डर के आगे बढ़ने का पूरा अधिकार है।

उन्होंने आगे लिखा कि ऐसे बदलाव तभी आ सकते हैं, जब हम गलत बातों को देखकर चुप रहना बंद करें। हमें अपनी आवाज उठानी होगी, एक-दूसरे का साथ देना होगा और एक ऐसा माहौल बनाना होगा, जहां हर महिला और लड़की सुरक्षित महसूस करे, उन्हें सम्मान मिले और उनकी बात सुनी जाए। किसी भी बच्चे के बचपन या किसी भी इंसान की जिंदगी में डर की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

प्रिया दत्त की इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।

मधुमेह का खतरा सिर्फ मोटापे से नहीं

कमजोर मांसपेशियां भी बढ़ा सकती हैं जोखिम

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। टाइप-2 डायबिटीज का खतरा केवल शरीर के बढ़े हुए वजन या मोटापे से ही जुड़ा नहीं है बल्कि मांसपेशियों का स्वास्थ्य भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऑस्ट्रेलिया की कर्टिन यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों में शरीर की अतिरिक्त चर्बी के साथ मांसपेशियों की कमजोरी होती है, उनमें डायबिटीज का खतरा काफी अधिक होता है।

- करीब 4.8 लाख वयस्कों के स्वास्थ्य आंकड़ों का विश्लेषण
- महिलाओं और 60 वर्ष से कम उम्र के वयस्कों में मधुमेह का लक्षण अधिक

यह शोध दुनिया की प्रमुख डायबिटीज पत्रिकाओं में शामिल 'डायबिटीज केयर' में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में कर्टिन स्कूल ऑफ पॉपुलेशन हेल्थ और कर्टिन एनेबल इंस्टीट्यूट के डिमेंशिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के शोधकर्ताओं ने करीब 4.8 लाख वयस्कों के स्वास्थ्य आंकड़ों का 14 वर्षों तक विश्लेषण किया। अध्ययन में शामिल सभी लोग शोध की शुरुआत में डायबिटीज से मुक्त थे। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों में मोटापा और मांसपेशियों की कमजोरी दोनों मौजूद थीं, उन्हें 'सार्कोपेनिक ओबेसिटी' की स्थिति कहा जाता है। ऐसे लोगों में स्वस्थ शरीर संरचना वाले लोगों की तुलना में टाइप-2 डायबिटीज विकसित होने का खतरा साढ़े तीन गुना से भी अधिक पाया गया।

अध्ययन के अनुसार, सार्कोपेनिक ओबेसिटी से पीड़ित लोगों में केवल मोटापे से ग्रस्त लोगों की तुलना में टाइप-2 डायबिटीज का खतरा 19 प्रतिशत अधिक था। वहीं, केवल कम मांसपेशी द्रव्यमान या कमजोरी (सार्कोपेनिक) वाले लोगों की तुलना में यह जोखिम 91 प्रतिशत अधिक पाया गया। अध्ययन के प्रमुख लेखक और पीएचडी शोधार्थी झोंगयांग गुआन ने कहा कि ये निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देते हैं कि डायबिटीज का खतरा मुख्य रूप से शरीर के वजन से ही तय होता है।

उन्होंने कहा कि अतिरिक्त वजन डायबिटीज का एक बड़ा कारण जरूर है, लेकिन मांसपेशियों का स्वास्थ्य भी जोखिम को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों में अधिक वसा और कम मांसपेशियां दोनों होती हैं, उनमें डायबिटीज का खतरा केवल मोटापे वाले लोगों की तुलना में काफी ज्यादा होता है। इसलिए डायबिटीज के खतरे का आकलन करते समय केवल वजन या बॉडी मास इंडेक्स देखने के बजाय मांसपेशियों की ताकत और मात्रा पर भी ध्यान देना जरूरी है।

शोध में यह भी सामने आया कि सार्कोपेनिक ओबेसिटी वाले करीब 15 प्रतिशत लोगों में 10 वर्षों के भीतर टाइप-2 डायबिटीज विकसित हुई, जबकि मोटापे से ग्रस्त लोगों में यह आंकड़ा लगभग 11 प्रतिशत और स्वस्थ शरीर संरचना वाले लोगों में करीब 3 प्रतिशत रहा। अध्ययन में यह संबंध महिलाओं और 60 वर्ष से कम उम्र के वयस्कों में अधिक मजबूत पाया गया। शोध के वरिष्ठ प्रमुख प्रोफेसर मारियो सिएर्वो ने कहा कि डायबिटीज की रोकथाम के लिए शरीर के वजन के साथ-साथ मांसपेशियों के स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बढ़ती उम्र और मोटापे की बढ़ती दरों के बीच नियमित शारीरिक गतिविधि, व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखना टाइप-2 डायबिटीज के खतरे को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मुंह के छालों की वजह से परेशानी काफी ज्यादा

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मुंह में होने वाले छाले छोटे जरूर होते हैं लेकिन इनकी वजह से होने वाली परेशानी काफी ज्यादा हो सकती है। ये खाने, बोलने और पानी पीने में भी दर्द पैदा करते हैं। आमतौर पर ये छाले कुछ दिनों में अपने आप ठीक हो जाते हैं, लेकिन इस दौरान दर्द और जलन को कम करने के लिए लोग कई घरेलू उपाय अपनाते हैं। इन उपायों में इस्तेमाल होने वाली चीजों में कुछ ऐसे प्राकृतिक गुण पाए जाते हैं, जो मुंह की सूजन, जलन और संक्रमण को कम करने में मदद कर सकते हैं।

- विटामिन बी12, आयरन या फोलिक एसिड की कमी, तनाव मुंह में छाले होने के कारण
- नमक वाला पानी से छाले वाली जगह से गंदगी हटाने व सूजन कम करने में मदद

विज्ञान के अनुसार, मुंह के छाले कई कारणों से हो सकते हैं। शरीर में विटामिन बी12, आयरन या फोलिक एसिड की कमी, तनाव, हार्मोन में बदलाव, मुंह में चोट लगना या शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता कम होना इसके पीछे वजह हो सकती है। हालांकि घरेलू उपाय छाले की परेशानी को कम कर सकते हैं, लेकिन अगर छाले लंबे समय तक बने रहें तो डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी होता है।

मुंह के छालों में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला उपाय नमक के पानी से कुल्ला करना है। नमक में मौजूद सोडियम क्लोराइड शरीर के लिए एक सामान्य तत्व है। जब नमक पानी में घुलकर कुल्ले के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तो यह मुंह में मौजूद अतिरिक्त बैक्टीरिया की संख्या को कम करने में मदद करता है। नमक में एंटीमाइक्रोबियल प्रभाव होता है। यह हानिकारक सूक्ष्म जीवों को बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा नमक वाला पानी छाले वाली जगह से गंदगी हटाने और सूजन कम करने में मदद करता है।

शहद भी छालों में राहत देने वाला एक पुराना उपाय है। शहद में एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो बैक्टीरिया को कम कर सूजन को खत्म करने में मदद करता है। शहद में मौजूद प्राकृतिक शर्करा और अन्य तत्व छाले वाली जगह पर एक सुरक्षात्मक परत बनाते हैं, जिससे बाहरी जलन कम महसूस होती है। इसके अलावा शहद में पाए जाने वाले कुछ एंटीऑक्सीडेंट तत्व शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। नारियल तेल में मौजूद लॉरिक एसिड इसका एक महत्वपूर्ण गुण माना जाता है। लॉरिक एसिड बैक्टीरिया और सूजन से लड़ता हैं। जब नारियल तेल छाले वाली जगह पर लगाया जाता है, तो यह उस हिस्से को नम बनाए रखने में मदद करता है। मुंह की सूखी त्वचा में जलन ज्यादा महसूस होती है, इसलिए नमी बनाए रखने से दर्द कम होता है। हालांकि, हर व्यक्ति की त्वचा अलग होती है, इसलिए अगर किसी को तेल लगाने से परेशानी बढ़े तो इसका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

बेकिंग सोडा भी कुछ लोग मुंह के छालों में इस्तेमाल करते हैं। इसमें मौजूद सोडियम बाइकार्बोनेट मुंह के अम्लीय स्तर को संतुलित करने में मदद करता है। कई बार ज्यादा अम्लीय वातावरण में जलन और दर्द बढ़ सकता है। बेकिंग सोडा पानी में मिलाने से मुंह का पीएच स्तर सामान्य रहता है, जिससे छाले वाली जगह पर जलन कम महसूस होती है।

दिव्यांश फ्लोरा में बिना मतदान बनी नई एओए, 10 सदस्य निर्विरोध चुने गए

ग्रेटर नोएडा,14 जुलाई (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की दिव्यांश फ्लोरा सोसायटी में अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) का गठन बिना मतदान के ही पूरा हो गया।

चुनाव में नामांकन दाखिल करने वाले 11 उम्मीदवारों में से एक ने तय समय के भीतर अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद बचे 10 उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। चुनाव समिति के सदस्य आरएस के सिंह, सुधांशु त्रिपाठी, कुमुद रंजन, सचिन वत्स और उदयराज दुबे ने बताया कि पूरी चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई।

किसी भी पद के लिए मुकाबले की स्थिति नहीं बनी, इसलिए मतदान कराने की आवश्यकता नहीं पड़ी। नई एओए में गजेंद्र सिंह को अध्यक्ष, नितिन सागर को उपाध्यक्ष, प्रणबेश नाथ को सचिव, विनय शर्मा को सहायक सचिव, कुलदीप सिंह सोम को कोषाध्यक्ष और अमोघ गजानन जोशी को सहायक कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं अमित तिवारी, भास्कर मिश्रा, राहुल गुप्ता और राकेश चौहान को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। नई एओए टीम ने सोसयाटी में बेहतर रखरखाव,पारदर्शी व्यवस्था और निवासियों की समस्योओं के जल्द समाधन के लिए मिलकर काम करने का भरोसा जताया। चुनाव समिति ने सभी निवासियों का सहयोग और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए आभार भी व्यक्त किया।

दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेन में बॉम्बे हॉस्पिटल की स्टाफ नर्स ने महिला की कराई सुरक्षित डिलीवरी

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर की स्टाफ नर्स मीनू भैसारे ने चलती नागपुर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेन में एक महिला की सुरक्षित डिलिवरी कराई। ट्रेन में उनकी सूझबूझ और समर्पण की हर कोई सराहना कर रहा है। बॉम्बे हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, नर्स मीनू भैसारे 3 जून को ट्रेन की कोच एस5 (सीट नंबर 22) में यात्रा कर रही थीं। रात लगभग 2 बजे साथ यात्रा कर रहीं अंजुम (जो नौ महीने की गर्भवती थीं) को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। यात्रियों ने कई बार मेडिकल मदद पाने की कोशिश की, लेकिन तुरंत मदद नहीं मिल सकी क्योंकि ट्रेन भुसावल जंक्शन से निकल चुकी थी और आगे कोई तय स्टॉप नहीं था। रेलवे कर्मचारियों ने यात्रियों को बताया कि मेडिकल मदद ट्रेन तक पहुंचने में लगभग 30 मिनट लगेंगे। गर्भवती महिला की जांच करने पर भैसारे ने पाया बच्चेदानी की थैली पहले ही फट चुकी थी और बच्चे का सिर बाहर आने लगा था, जिससे पता चला कि डिलीवरी होने ही वाली है। उन्होंने तुरंत जिम्मेदारी संभाली और साथ यात्रा कर रहे यात्रियों की मदद से महिला की प्राइवेसी का ध्यान रखते हुए चलती ट्रेन में सुरक्षित डिलीवरी कराई।

बच्चे के जन्म के बाद भैसारे ने एक साफ धागे से गर्भनाल को सावधानी से क्लैंप किया। साफ सर्जिकल उपकरण न होने पर, एक यात्री ने चाकू दिया, जिसे गर्भनाल काटने से पहले अच्छी तरह साफ किया गया। इसके बाद उन्होंने मां और नवजात शिशु दोनों की देखभाल की। उन्होंने मां को अपने साथ लाए साफ कपड़े पहनने में मदद की, बच्चे को साफ किया और यह पक्का किया कि नवजात शिशु को स्तनपान के लिए सुरक्षित रूप से मां के पास रखा जाए।

बाद में रेलवे अधिकारियों ने चालिसगांव रेलवे स्टेशन पर मेडिकल मदद का इंतजाम किया, जहां मां और नवजात शिशु को आगे की जांच और देखभाल के लिए मेडिकल टीम को सुरक्षित सौंप दिया गया। इसके बाद बाकी यात्रियों ने मुंबई के लिए अपनी यात्रा जारी रखी। इस घटना के बारे में बात करते हुए मीनू भैसारे ने कहा कि एक नर्स के तौर पर मेरी पहली प्राथमिकता मां और बच्चे दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। उस पल में हिचकिचाहट की कोई गुंजाइश नहीं थी। बस आत्मविश्वास और सहानुभूति के साथ काम करने की जिम्मेदारी थी। मैं अपनी सह-यात्री राजश्री नेवारे और उन सभी साथी यात्रियों की बहुत आभारी हूं, जिनके सहयोग, प्रोत्साहन और समय पर मिली मदद से यह सुरक्षित डिलीवरी संभव हो पाई।

कोरोना संक्रमण का एक नया मामला

मरीज को सांस लेने की दिक्कत, बीएचयू अस्पताल में भर्ती

वाराणसी, 14 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में कोरोना संक्रमण का एक नया मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। आशापुर निवासी 27 वर्षीय युवक की कोविड-19 जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसे बीएचयू अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया है। बीएचयू के चिकित्सकों के अनुसार युवक कई दिनों से सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद अस्पताल के चेस्ट एवं टीबी विभाग में इलाज के लिए पहुंचा था। लगातार सांस लेने में परेशानी को देखते हुए उसकी कोविड-19 जांच कराई गई, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। संक्रमण की पुष्टि होने के बाद उसे तत्काल भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया गया। फिलहाल चिकित्सकों की निगरानी में उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। चिकित्सकों का कहना है कि कोरोना संक्रमण की रफ्तार पहले की तुलना में काफी धीमी हो गई है, लेकिन वायरस पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इससे स्पष्ट है कि संक्रमण अभी भी समाज में मौजूद है और समय-समय पर लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। चिकित्सकों ने लोगों से आवश्यक सावधानी बरतने तथा सर्दी, खांसी, बुखार या सांस लेने में तकलीफ होने पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी है।

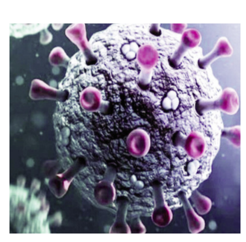

सूर्य कवि दादा लख्मी चंद की सोच को साकार कर रही सुपवा

चंडीगढ़, 14 जुलाई (देशबन्धु)। हरियाणवी के प्रसिद्ध सांग सम्राट, कवि व लोक कलाकार दादा लख्मी चंद को उनकी 123वीं जयंती पर सर्वप्रथम प्रणाम, विनम्र श्रद्धांजलि। दादा लख्मी चंद का जन्म सोनीपत जिले के जाट्टी कलां गांव में एक साधारण किसान गौड़ ब्राह्मण परिवार में 15 जुलाई 1903 को हुआ। दो भाई व तीन बहनों में वे अपने पिता की दूसरी संतान थे। बाल्यावस्था में उन्हें पशु चराने के लिए खेतों में भेजा जाने लगा। लेकिन, उनकी गाने में रुचि थी। वह हमेशा कुछ न कुछ गुनगुनाते रहते। सात-आठ वर्ष की आयु में ही उन्होंने अपनी मधुर व सुरीली आवाज से लोगों का मन मोहना शुरू कर दिया। ग्रामीण उनसे नित गीत व भजन सुनाने का आग्रह करने लगे। ग्रामीणों की अपार प्रशंसा से उत्साहित बालक लख्मी चन्द ने अनेक गीत व भजन कंठस्थ कर लिए और गायकी के मार्ग पर अपने कदम तेजी से बढ़ा दिए।

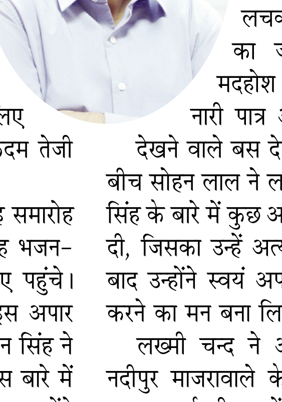

गांव जांटी कलां में एक विवाह समारोह में बसौदी निवासी पंडित मान सिंह भजन-रागनी का कार्यक्रम करने के लिए पहुंचे। एक बालक के गायकी के प्रति इस अपार लगाव से प्रभावित होकर पंडित मान सिंह ने उनके पिता पंडित उदमी राम से इस बारे में बात की और उनकी सहमति के बाद उन्होंने बालक लख्मी चन्द को अपना शिष्य बनाना स्वीकार कर लिया। इसके बाद वे अपने गुरु से ज्ञान लेने में तल्लीन हो गए और असीम लगन व कठिन परिश्रम से वे निखरते चले गए।

कुछ ही समय में लोग उनकी गायन प्रतिभा और सुरीली आवाज के कायल हो गए। अब उनकी रूचि 'सांग' सीखने की हो गई। 'सांग' की कला सीखने के लिए लख्मी चन्द कुंडल निवासी सोहन लाल के बेड़े में शामिल हो गए। अडिग लगन व मेहनत के बल पर पांच साल में ही उन्होंने 'सांग' की बारीकियां सीख लीं। उनके अभिनय एवं नाच का जादू लोगों के सिर चढ़कर बोलने लगा। उनके अंग-अंग का मटकना, मनोहारी अदाएं, हाथों की मुद्राएं, कमर की लचक और गजब की फुर्ती का जादू हर किसी को मदहोश कर देता था। जब वे नारी पात्र अभिनीत करते थे तो देखने वाले बस देखते रह जाते थे। इसी बीच सोहन लाल ने लख्मी चन्द के गुरु मान सिंह के बारे में कुछ असभ्य बात मंच से कह दी, जिसका उन्हें अत्यन्त बुरा लगा। इसके बाद उन्होंने स्वयं अपना अलग बेड़ा तैयार करने का मन बना लिया।

लख्मी चन्द ने अपने गुरुभाई जैलाल नदीपुर माजरावाले के साथ मिलकर मात्र 18-19 वर्ष की उम्र में ही अलग बेड़ा बनाया और 'सांग' मंचित करने लगे। अपनी बहुमुखी प्रतिभा और महान आशा के बल पर उन्होंने एक वर्ष के अन्दर ही लोगों के बीच पुन: अपनी पकड़ बना ली।

प्रारम्भ में लख्मी चंद श्रृंगार रस की रचनाओं पर जोर देते थे, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान को भी अपनी रचनाओं में पिरोना शुरू कर दिया। लंबी बीमारी के उपरान्त 17 जुलाई, 1945 की सुबह उनका देहान्त हो गया। वे अपनी अथाह एवं अनमोल विरासत छोड़कर गए हैं। उनकी इस विरासत को सहेजने व आगे बढ़ाने के लिए उनके सुपुत्र पंडित तुलेराम ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

तमिल साहित्यकार आर. वैरमुत्तु को मिला 60वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

नई दिल्ली, 14 जुलाई (देशबन्धु)। प्रख्यात तमिल कवि, गीतकार और साहित्यकार आर. वैरमुत्तु ने वर्ष 2025 का 60वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा कि यह सम्मान न केवल मेरा है बल्कि तमिल भाषा और भारतीय साहित्य के व्यापक समुदाय का भी है। वैरमुत्तु को देश का यह सर्वोच्च सम्मान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के चिन्मय मिशन सभागार में आयोजित एक भव्य समारोह में जाने-माने राजनेता, बुद्धिजीवी और लेखक कर्ण सिंह ने प्रदान किया।

वैरमुत्तु को सम्मानस्वरूप 11 लाख रुपए नकद, वाग्देवी (देवी सरस्वती) की कांस्य प्रतिमा और एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा कि यह सम्मान न केवल उनका है बल्कि तमिल भाषा और भारतीय साहित्य के व्यापक समुदाय का भी है।

वैरमुत्तु ने अपनी साहित्यिक यात्रा और व्यक्तिगत संघर्षों के बाबत साहित्य को मानवता के लिए उम्मीद, करुणा और नैतिक शक्ति का सबसे बड़ा स्रोत बताया और कहा कि यह सम्मान उन्हें नए उत्साह और समर्पण के साथ अपना रचनात्मक कार्य जारी रखने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

कर्ण सिंह ने मुख्य भाषण देते हुए ज्ञानपीठ पुरस्कार को भारत की स्थायी साहित्यिक परंपरा, भाषाई विविधता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि भारतीय ज्ञानपीठ छह दशकों से अधिक समय से भारतीय भाषाओं की बेहतरीन कृतियों को संरक्षित और बढ़ावा देने के साथ-साथ समकालीन साहित्यिक रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

- यह सम्मान तमिल और भारतीय साहित्य का है
- कई भाषाओं की साझा सांस्कृतिक चेतना को दर्शाता है वैरमुत्तु का काम
- 1965 से अब तक 66 लेखकों को मिल चुका है यह सम्मान

उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के दौर में भी साहित्य संवेदनशीलता, सहिष्णुता और मानवता को पोषित करता है। उन्होंने युवा पीढ़ी से भारतीय भाषाओं और साहित्य से गहराई से जुड़ने का आग्रह किया।

प्रसिद्ध ओडिया लेखिका और ज्ञानपीठ पुरस्कार चयन समिति की अध्यक्ष प्रतिभा राय ने कहा कि वैरमुत्तु का काम भारत की कई भाषाओं की साझा सांस्कृतिक चेतना को दर्शाता है और भाषाई सीमाओं से परे है। भारतीय ज्ञानपीठ के ट्रस्टी मुदित जैन ने पुरस्कार समारोह में स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि यह पुरस्कार भारत की साहित्यिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता का प्रतिनिधित्व करता है और उन्होंने वैरमुत्तु के योगदान को भारतीय साहित्य के लिए एक अमूल्य निधि बताया। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि वैरमुत्तु को यह सम्मान उनके जन्मदिन 11 जुलाई के अवसर पर प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा 1961 में शुरू किया गया ज्ञानपीठ पुरस्कार संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भी भाषा में साहित्य के क्षेत्र में लेखक के असाधारण आजीवन योगदान के लिए दिया जाता है। भारतीय ज्ञानपीठ के अनुसार 1965 से अब तक 66 लेखकों को यह सम्मान मिल चुका है।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

बजाज फाइनेंस	1.60 प्रतिशत
कोटक महिंद्रा बैंक	1.53 प्रतिशत
आईटीसी	1.48 प्रतिशत
मारूति सुजुकी	1.44 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.35 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,41,051
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,19,289
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.85	93.78
पौंड स्टर्लिंग	130.15	125.57
यूरो	111.10	106.94
चीन युआन	15.01	13.28

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

भारत में डेटा सेंटर की बढ़ती मांग से रोजगार में आएगा बड़ा उछाल

2030 तक 1 लाख इंजीनियरों की होगी जरूरत : एनएलबी

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत का तेजी से बढ़ता डेटा सेंटर उद्योग आने वाले वर्षों में देश के सबसे बड़े रोजगार सृजक क्षेत्रों में शामिल हो सकता है। एक नई रिपोर्ट में मंगलवार को कहा गया कि वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र में करीब 1 लाख कुशल पेशेवरों (स्किल्ड प्रोफेशनल्स) की आवश्यकता होगी। एनएलबी सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की स्थापित डेटा सेंटर क्षमता मौजूदा लगभग 1.5 गीगावाट (जीडब्ल्यू) से बढ़कर दशक के अंत तक 6.5 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं, देश का डेटा सेंटर बाजार 22 अरब डॉलर से अधिक का हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र में अब तक 126 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धताएं हो चुकी हैं। यही वजह है कि डेटा सेंटर उद्योग भारत के सबसे तेजी से बढ़ते

इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टरों में शामिल हो गया है। हालांकि, विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि शिक्षा संस्थान, उद्योग और नीति-निर्माता मिलकर भविष्य के अनुरूप कुशल कार्यबल तैयार नहीं करते हैं, तो कौशल की कमी (स्किल गैप) इस क्षेत्र की तेज रफ्तार वृद्धि में बड़ी बाधा बन सकती है। एनएलबी सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सचिन अलुग ने कहा कि भारत में डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार केवल एक

■ **डेटा सेंटर क्षमता मौजूदा लगभग 1.5 गीगावाट (जीडब्ल्यू) से बढ़कर दशक के अंत तक 6.5 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान**

बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं, बल्कि देश के युवाओं के लिए राष्ट्र निर्माण का बड़ा अवसर है।

उन्होंने कहा, 'भारत जिस तेजी से डिजिटल परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उससे एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लाउड ऑपरेशंस, ऑटोमेशन, पावर सिस्टम और क्रिटिकल फैसिलिटी मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ पेशेवरों की नई पीढ़ी की मांग तेजी से बढ़ रही है।' उन्होंने कहा कि यह केवल नौकरियां भरने का मामला नहीं है, बल्कि आने वाले दशकों तक भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार देने वाले कुशल कार्यबल का निर्माण करना है।

रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को तेजी से अपनाने के कारण एआई इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग, क्लाउड ऑपरेशंस, प्लेटफॉर्म इंजीनियरिंग, डेवऑप्स, एमएलऑप्स और डेटा सेंटर ऑटोमेशन जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। अनुमान है कि आने वाले वर्षों में एआई-आधारित वर्कलोड भारत की कुल डेटा सेंटर क्षमता का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा बन जाएगा।

उद्यम पंजीकरण पोर्टल और उद्यम सहायता प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत एमएसएमई की संख्या करीब 9 करोड़ हुई

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। उद्यम पंजीकरण पोर्टल और उद्यम सहायता प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) की संख्या 8.9 करोड़ से अधिक हो गई है और इन उद्यमों में 38 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल रहा है। यह जानकारी मंगलवार को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की ओर से दी गई।

मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि उद्यम पंजीकरण पोर्टल और उद्यम सहायता मंच, उद्यमों को औपचारिक रूप देने, सरकारी सहायता तक पहुंच बढ़ाने और एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उद्यम पंजीकरण पोर्टल सरल, कागज रहित, स्व-घोषणा आधारित और नि:शुल्क ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया के माध्यम से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को आधिकारिक पहचान प्रदान करता है। वहीं, उद्यम सहायता प्लेटफॉर्म अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यमों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल करके इस पहल को आगे बढ़ाता है। यह उन उद्यमों को सक्षम बनाता है जिनके पास अभी तक जीएसटी पंजीकरण नहीं है या जो आयकर प्रणाली के अंतर्गत नहीं आते हैं, उन्हें अधिकृत उद्यम सहायता साझेदारों द्वारा प्रस्तुत सत्यापित डेटा के माध्यम से सूक्ष्म उद्यमों के रूप में औपचारिक मान्यता प्राप्त हो सके।

ये प्लेटफॉर्म मिलकर एक अधिक समावेशी

■ **38 करोड़ लोगों को मिल रहा रोजगार**

पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहे हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि छोटे से छोटे उद्यम भी भारत की औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन सकें। बयान में आगे कहा गया कि ये पहलें सरकारी सहायता को अधिक सुलभ और समावेशी बनाकर महिलाओं, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों, ग्रामीण उद्यमों, पारंपरिक कारीगरों, पहली पीढ़ी के उद्यमियों और युवाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप्स को सशक्त बना रही हैं।

सरकार के मुताबिक, उद्यम पंजीकरण पोर्टल और उद्यम सहायता मंच का संयुक्त प्रभाव व्यवसाय पंजीकरण से कहीं अधिक व्यापक है। ये पहलें सरकारी सहायता को अधिक सुलभ और समावेशी बनाकर महिलाओं, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों, ग्रामीण उद्यमों, पारंपरिक कारीगरों, पहली पीढ़ी के उद्यमियों और युवाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप्स को सशक्त बना रही हैं।

सोने और चांदी में रिकवरी, दाम आधा प्रतिशत से अधिक बढ़े

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी में रिकवरी देखने को मिली। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम आधा प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,40,309 रुपए के मुकाबले 640 रुपए की तेजी के साथ 1,40,949 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। शुरुआती कारोबार में इसमें और तेजी देखने को मिली। सुबह 9:47 पर यह 742 रुपए या 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,41,051 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,40,796 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,41,294 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है। सोने के साथ चांदी में तेजी देखी जा रही है। चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,17,718 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 615 रुपए की तेजी के साथ 2,18,333 रुपए प्रति किलो पर खुला। खबर लिखे जाने तक, यह 1,231 रुपए या 0.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,18,949 रुपए प्रति किलो पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,17,923 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,19,289 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार देखा जा रहा है। कॉमेक्स पर सोना 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,023 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 57.87 डॉलर प्रति औंस पर थी।

भारत का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.11 प्रतिशत बढ़कर 7.74 लाख करोड़ रुपए हुआ

मुंबई, 14 जुलाई (आईएएनएस)। भारत का चालू वित्त वर्ष (13 जुलाई तक) के लिए सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 16.11 प्रतिशत बढ़कर 7.74 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसकी वजह कॉरपोरेट और गैर-कॉरपोरेट कर और सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) संग्रह में बढ़ोतरी होना है। यह जानकारी मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में दी गई। सरकारी आंकड़ों में बताया गया कि शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह (रिफंड को हटाकर) सालाना आधार पर 16.4 प्रतिशत बढ़कर 6.51 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इस दौरान जारी रिफंड सालाना आधार पर 14.57 प्रतिशत बढ़कर 1.22 लाख करोड़ रुपए रहा है।

प्रत्यक्ष कर के आंकड़े बढ़ना दिखाता है कि देश की अर्थव्यवस्था की गति मजबूत बनी हुई है और घरेलू कारक लगातार शक्ति प्रदान कर रहे हैं। रिफंड के समायोजन के बाद कॉरपोरेट कर संग्रह 2.40 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 1.97 लाख करोड़ रुपए था। वहीं, गैर-कॉरपोरेट कर 3.85 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पहले समान अवधि में 3.44 लाख करोड़ रुपए था। समीक्षा अवधि में सकल कॉरपोरेट कर संग्रह (रिफंड को मिलाकर) 3.35 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 2.90 लाख करोड़ रुपए रहा था। वहीं, गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह बढ़कर 4.12 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 3.58 लाख करोड़ रुपए था। सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) का शुद्ध संग्रह (रिफंड को हटाकर) बढ़कर 26,428.96 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 17,875.88 करोड़ रुपए था। इस दौरान अन्य करों का संग्रह नकारात्मक 2.02 करोड़ रुपए रहा है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 269.45 करोड़ रुपए था।

सार संक्षेप

भारत के टॉप-10 सबसे मूल्यवान ब्रांड्स में शामिल हुआ अदाणी ग्रुप

अहमदाबाद। मंगलवार को घोषणा की गई कि अदाणी ग्रुप भारत के 'टॉप 10 सबसे मूल्यवान ब्रांड्स' में पहली बार सबसे तेजी से प्रवेश करने वाला ब्रांड बन गया है। वहीं, 'ब्रांड फाइनेंस इंडिया 100 रिपोर्ट 2026' के अनुसार अदाणी पावर देश की सबसे मूल्यवान ऊर्जा (एनर्जी) ब्रांड बनकर उभरी है। स्वतंत्र ब्रांड वैल्यूएशन कंसल्टेंसी ब्रांड फाइनेंस की रिपोर्ट के मुताबिक, अदाणी ग्रुप इस वर्ष 13वें स्थान से आठवें स्थान पर पहुंच गया है। इसके साथ ही यह केवल 3 वर्षों में भारत के टॉप-10 सबसे मूल्यवान ब्रांड्स में पहुंचने वाला सबसे तेज ब्रांड बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अदाणी ग्रुप की ब्रांड वैल्यू 8.48 अरब डॉलर आंकी गई है, जिसमें लगभग 50 करोड़ डॉलर की वह वैल्यू शामिल नहीं है, जो अदाणी विल्मर और उससे जुड़े उपभोक्ता-केंद्रित ब्रांड्स से संबंधित है। पिछले वर्ष ग्रुप की ब्रांड वैल्यू 6.46 अरब डॉलर थी।

सिंगापुर कोर्ट ने बायजू रवींद्रन की अपील खारिज नहीं की, सिर्फ स्टे याचिका ठुकराई: कंपनी

नई दिल्ली। एडटेक कंपनी बायजूज ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि संस्थापक बायजू रवींद्रन की सिंगापुर अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज होने संबंधी मीडिया रिपोर्टें भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। कंपनी ने कहा कि सिविल अवमानना के फैसले के खिलाफ रवींद्रन की मुख्य अपील अभी भी सिंगापुर कोर्ट ऑफ अपील में लंबित है। कंपनी के अनुसार, 9 जुलाई को सिंगापुर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई केवल उस आवेदन पर केंद्रित थी, जिसमें 25 मई 2026 को जारी सिविल अवमानना आदेश पर अस्थायी रोक (स्टे) लगाने की मांग की गई थी। यह रोक तब तक मांगी गई थी, जब तक कोर्ट ऑफ अपील में रवींद्रन की मुख्य अपील पर सुनवाई पूरी नहीं हो जाती।

टाटा स्टारबक्स ने दिल्ली एयरोसिटी में शुरू किया प्रीमियम स्टारबक्स रिजर्व्ड एक्सपीरियंस

नई दिल्ली। टाटा स्टारबक्स ने दिल्ली एयरोसिटी के 5 वर्ल्डमार्क स्थित वर्ल्ड स्ट्रीट में स्टारबक्स रिज़र्व्ड स्टोर के उद्घाटन की घोषणा की है। यह नया स्टोर ग्राहकों को उत्कृष्ट कॉफी, विशेषज्ञता से तैयार पेय और विशेष अनुभवों के साथ एक उन्नत कॉफीहाउस अनुभव प्रदान करेगा। दिल्ली एनसीआर में ब्रांड का यह तीसरा स्टारबक्स रिज़र्व्ड स्टोर है। स्टारबक्स के 'थर्ड प्लेस' दर्शन से प्रेरित इस स्टोर को इस तरह डिजाइन किया गया है कि ग्राहक यहां जुड़ सकें, कुछ नया खोज सकें और साथ में समय बिता सकें। यहां दुर्लभ और प्रीमियम कॉफी की चुनिंदा वैरायटी, सिग्नेचर एस्प्रेसो बेवरेज, हस्तनिर्मित पेय, विशेष फूड विकल्प तथा हाल ही में लॉन्च किया गया 'बेक-इन मेन्यू' उपलब्ध होगा। स्टोर में अत्याधुनिक 'ब्लैक ईगल एस्प्रेसो मशीन' भी लगाई गई है, जो कॉफी की गुणवत्ता और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाती है।

शेयर बाजारों में गिरावट, सेंसेक्स 561 अंक टूटा

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 561 अंक उतर

■ **सेंसेक्स 561.46 टूटकर 77,054.94 अंक पर रहा**

■ **निफ्टी 158.95 टूटकर 24,052.05 अंक पर बंद हुआ**

गया। सेंसेक्स पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 344 अंक नीचे खुला और पूरे दिन लाल निशान में रहा। कारोबार की समाप्ति पर यह 561.46 अंक (0.72 प्रतिशत) की गिरावट में 77,054.94 अंक पर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी-50 सूचकांक का ग्राफ भी लगभग ऐसा ही रहा। यह 158.95 अंक यानी 0.66 प्रतिशत नीचे 24,052.05 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों का गत 09 जुलाई के बाद का निचला स्तर है।

अमेरिका और ईरान ने एक बार फिर परस्पर हमले शुरू कर दिये हैं। अमेरिका जहां सीधे ईरान को निशाना बना रहा है, वहीं ईरान खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले कर रहा है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य पर भी अब दोनों पक्ष अपना-अपना अधिकार जताने लगे हैं।

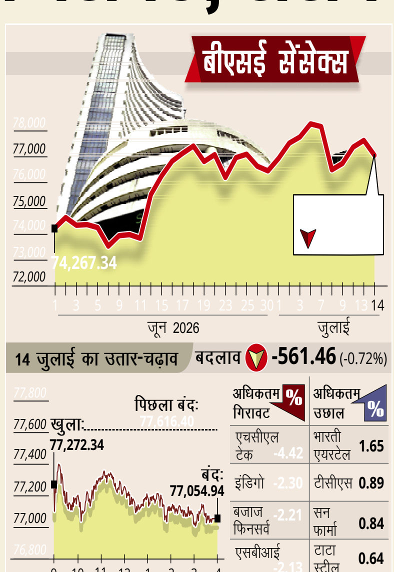

इससे बाजार में निवेश धारणा कमजोर हुई है।

घरेलू स्तर पर प्रमुख सूचकांकों के साथ वृहत बाजार में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.56 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.01 प्रतिशत टूट गया। बैंकिंग, वित्त, ऑटो, आईटी और रियल्टी सेक्टरों में ज्यादा गिरावट देखी गयी। एफएमसीजी, तेल एवं गैस, मीडिया और रसायन समूहों के सूचकांक भी लाल निशान में रहे। फार्मा, स्वास्थ्य और धातु समूहों के सूचकांक ऊपर बंद हुए।

एनएसई में जिन 3,410 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें 2,277 के शेयर लाल निशान में और 1,020 के शेयर हरे निशान में रहे। अन्य 113 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर फिसल गये। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 4.42 फीसदी टूट गया। इंडिगो में 2.30 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व में 2.21, भारतीय स्टेट बैंक में 2.13, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 2.10 और एलएंडटी में 2.01 प्रतिशत की गिरावट रही।

बजाज फाइनेंस का शेयर 1.60 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.53, आईटीसी का 1.48, मारुति सुजुकी का 1.44, टेक महिंद्रा का 1.35, एचडीएफसी बैंक का 1.16 और एनटीपीसी तथा ट्रेंट के शेयर में एक से दो प्रतिशत तक नीचे रहे। इंफोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, हिंदुस्तान यूनीलिवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एशियन पेंट्स के शेयर भी लाल निशान में बंद हुए। मुनाफा कमाने वालों में भारती एयरटेल का शेयर 1.75 फीसदी की बढ़त में बंद हुआ। टीसीएस, सन फार्मा, टाटा स्टील और अडानी पोर्टस के शेयर भी मजबूत रहे।

क्रोमा-ऑनसाइटगो साझेदारी से ग्राहकों को मिलेगा बेहतर आफ्टर-सेल्स सर्विस अनुभव

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)।भारत की अग्रणी डिवाइस केयर कंपनी ऑनसाइटगो ने आज घोषणा की कि क्रोमा ने अपनी सहायक कंपनी क्यूडिजी को पूरे भारत में अपना एक्सक्लूसिव अधिकृत सर्विस पार्टनर नियुक्त किया है। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत क्रोमा के तेजी से बढ़ते ओन लेबल उत्पाद पोर्टफोलियो के लिए उत्पाद इंस्टॉलेशन, रिपेयर, मेंटेनेंस और स्पेयर पार्ट्स के एंड-टू-एंड प्रबंधन की जिम्मेदारी क्यूडिजी संभालेगी। मजबूत तकनीकी व्यवस्था और देशव्यापी सर्विस नेटवर्क के साथ यह साझेदारी लाखों क्रोमा ग्राहकों को बेहतर ओनरशिप अनुभव देने के उद्देश्य से की गई है। इसके तहत एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, टेलीविजन और छोटे घरेलू उपकरणों सहित विभिन्न श्रेणियों के उत्पादों के लिए सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। पिछले छह महीनों में सेवा संचालन की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक क्यूडिजी को सौंपे जाने और तकनीकी प्रणालियों के एकीकरण के बाद, कंपनी ने क्रोमा के ओन लेबल उत्पादों की पूरी आफ्टर-सेल्स सेवा की जिम्मेदारी संभाल ली है। इन्फिनिटी रिटेल लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक शिबाशीष रॉय ने कहा, 'ग्राहकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता केवल उत्पाद की बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके पूरे ओनरशिप अनुभव तक फैली हुई है। जैसे-जैसे हमारा ओन लेबल पोर्टफोलियो बढ़ रहा है, मजबूत सर्विस इकोसिस्टम में निवेश करना हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। क्यूडिजी के साथ यह साझेदारी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनके व्यापक नेटवर्क और तकनीकी विशेषज्ञता को हमारे कस्टमर-फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ जोड़कर हम ऐसी सेवा उपलब्ध करा रहे हैं, जो न केवल भरोसेमंद और सुलभ है, बल्कि पारदर्शी और प्रभावी भी है।'

एचपीसीएल ने पेट्रोल की गुणवत्ता के लिए पूरे देश में किए 3,500 से ज्यादा निरीक्षण

नई दिल्ली/मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। देश भर में पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने अपने व्यापक गुणवत्ता निगरानी अभियान के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि देश भर में अपने रिटेल आउटलेट्स पर एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर निरीक्षण और परीक्षण किए गए। इस दौरान ईंधन में मिलावट, प्रदूषण या गुणवत्ता संबंधी किसी भी गंभीर अनियमितता का एक भी मामला सामने नहीं आया। एचपीसीएल ने एक बयान में कहा कि 7 जुलाई से 13 जुलाई 2026 के बीच कंपनी के फील्ड अधिकारियों ने देश भर के 2,173 पेट्रोल पंपों पर औचक निरीक्षण किए, ताकि एथेनॉल ब्लेंडिंग के नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा, 3

नहीं मिला ईंधन में मिलावट का एक भी मामला

जुलाई से 13 जुलाई 2026 के बीच नियमित गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम के तहत 1,385 नियमित निरीक्षण भी किए गए।

कंपनी ने बताया कि निगरानी व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए उसकी क्वालिटी एश्योरेंस सेल (एंटी-एडल्टरेशन सेल) ने 93 अतिरिक्त औचक निरीक्षण किए। वहीं, मोबाइल प्रयोगशालाओं की मदद से 49 ईंधन नमूनों की जांच भी की गई। सभी परीक्षणों में ईंधन निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाया गया और कहीं भी मिलावट, दूषण या गुणवत्ता संबंधी किसी भी प्रकार की गंभीर गड़बड़ी नहीं मिली।

भारत के पोल्ट्री सेक्टर की आय वित्त वर्ष 2027 में लगभग 7 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के पोल्ट्री सेक्टर की आय वित्त वर्ष 27 में 6-7 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इसके साथ, आय में पिछले वर्ष के मुकाबले 50 से 100 आधार अंक की बढ़ोतरी की उम्मीद है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 26 के दौरान पोल्ट्री इंडस्ट्री के परिचालन प्रदर्शन में स्थिरता देखी गई। इसकी वजह उत्पादन में अच्छी बढ़ोतरी, रिटेल, इंस्टीट्यूशनल और फूड-सर्विस चैनलों में मजबूत मांग के साथ आपूर्ति-मांग की बेहतर स्थिति थी। रिपोर्ट में कहा गया है, 'प्रोटीन की बढ़ती खपत, शहरीकरण, लोगों की खरीदने की क्षमता में सुधार और खान-पान की बदलती आदतों की वजह से भारत अंडे और पोल्ट्री मीट के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक बना हुआ है।'

रिपोर्ट में बताया गया है, 'फीड कन्वर्जन रेश्यो (एफसीआर) को बेहतर बनाने, फार्म मैनेजमेंट के अच्छे तरीकों और कामकाज की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देने से संगठित पोल्ट्री

■ **'प्रोटीन की बढ़ती खपत, शहरीकरण, लोगों की खरीदने की क्षमता में सुधार और खान-पान की बदलती आदतों की वजह से भारत अंडे और पोल्ट्री मीट के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक बना हुआ है'**

इंडस्ट्री में उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।' रेटिंग एजेंसी ने अपने अनुमान में कहा कि प्रोटीन की बढ़ती खपत, शहरीकरण और संगठित खिलाड़ियों द्वारा क्षमता बढ़ाने की वजह से वित्त वर्ष 27 में अंडे और मीट के उत्पादन में अच्छी रफ्तार बनी रहेगी। संगठित रिटेल, क्विक-सर्विस रेस्टोरेंट (क्यूएसआर), कोल्ड-चेन इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्यात के मौकों के बढ़ने से प्रोसेस्ड पोल्ट्री सेक्टर में बढ़ोतरी हो रही है। इससे लंबे समय में ग्रोथ और वैल्यू एडिशन के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, एडवांस्ड ब्रीडिंग, सटीक न्यूट्रिशन, ऑटोमेशन और बेहतर फार्म मैनेजमेंट को अपनाने से उत्पादकता और फीड कन्वर्जन रेश्यो में सुधार होने की उम्मीद है। इस इंडस्ट्री में लगभग 60-65 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली संगठित कंपनियों ने इंटीग्रेटेड ऑपरेशन, बेहतर फीड खरीद और मजबूत प्राइसिंग अनुशासन के जरिए वित्त वर्ष 26 में मुनाफे में जबरदस्त सुधार देखा। वित्त वर्ष 26 के दौरान, घरेलू उत्पादन बढ़ने और सप्लाई की स्थिति में सुधार के कारण मक्के की कीमतों में भारी गिरावट आई। मक्के की कीमतों में इस गिरावट से मार्जिन में काफी राहत मिली, खासकर उन इंटीग्रेटेड कंपनियों को जिनके पास अपने फीड मिल और खरीद के कुशल तरीके थे।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

• किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।

• भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।

• मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।

• जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

• मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।

• भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।

• आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।

• जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

आज के मुकाबले में हैरी केन और लियोनेल मेसी पर होगी नजर

दो दशक बाद फीफा विश्व कप में इंग्लैंड और अर्जेंटीना की टक्कर

■ 1962 में हुई थी पहली भिड़ंत ■ आंकड़ों में इंग्लैंड का पलड़ा भारी

● अटलांटा / (एजेंसी)

अटलांटा, आरएनएन। इंग्लैंड और अर्जेंटीना की टक्कर दो दशक बाद गुरुवार को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में होगी। दोनों टीमों के बीच खेले जाने वाले मुकाबले से वर्ल्ड कप की सबसे पुरानी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक हो गया है।

इंग्लैंड और अर्जेंटीना पांच मुकाबले में आमने सामने हुए हैं। इस दौरान इंग्लैंड का पलड़ा भारी रहा है। इंग्लैंड की टीम तीन मुकाबले जीती है, जबकि अर्जेंटीना को दो मैचों में जीत मिली है, जिसमें एक पेनल्टी भी शामिल है। इंग्लैंड और अर्जेंटीना पहली बार वर्ष 1962 में विश्व कप में आमने-सामने हुए थे। जब इंग्लैंड ने ग्रुप चरण में 3-1 से जीत हासिल की थी, टीमों ने 1966 के क्वार्टर फाइनल में वेम्बली में प्रतिद्वंद्विता की नींव रखी थी। इंग्लैंड ने उस मैच में 1-0 से जीत हासिल की, जिसे ज्योफ हर्स्ट के देर से विजेता के रूप में कम, अर्जेंटीना के कप्तान एंटोनियो रैटिन की बर्खास्तगी के लिए याद किया जाता है। इस मुकाबले में इंग्लैंड ने ट्रॉफी तो जीत ली थी, लेकिन उस मुकाबले की खराब भावना दशकों तक बनी रही।

हेड-टू-हेड

मुकाबले **14**

अर्जेंटीना जीता **3**

इंग्लैंड जीता **6**

ड्रॉ **5**

60 साल बाद फाइनल में जगह बनाना चाहेगा इंग्लैंड

दोनों टीमों की विश्व कप में आखिरी भिड़ंत 2002 फीफा वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में हुई थी। उस मुकाबले में इंग्लैंड ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराया था। इंग्लैंड की ओर से डेविड बेकहम ने पहले हाफ में पेनल्टी पर मैच का इकलौता गोल दागा था, जो टीम की जीत का अंतर साबित हुआ। अब 20 वर्ष बाद मेक्सिको सिटी के एस्टेका स्टेडियम में फाइनल में जगह बनाने की जंग होगी। एक ओर मौजूदा विश्व चैम्पियन अर्जेंटीना है, तो दूसरी ओर इंग्लैंड, जो 60 साल के सूखे को खत्म कर दूसरी बार विश्व कप जीतने का सपना देख रहा है.अर्जेंटीना लगातार दूसरे फाइनल में पहुंचना चाहेगा, जबकि इंग्लैंड 1966 के बाद दूसरी बार फाइनल में अपनी जगह बनाना चाहेगा

फीफा विश्व कप के समापन समारोह में दिखेंगे टॉम क्रूज और रॉबी विलियम्स

● नई दिल्ली/ (एजेंसी)

अब तक के सबसे बड़े फीफा विश्व कप का समापन समारोह भी अभूतपूर्व होगा और न्यूजर्सी स्टेडियम पर होने वाले इस कार्यक्रम में टॉम क्रूज, लौरा पासिनी, रॉबी विलियम्स और आईशोस्पीड जैसे वैश्विक सुपरस्टार नजर आएंगे।

फीफा ने एक बयान में कहा कि तीन मेजबान देशों और 16 शहरों में हुए इस टूर्नामेंट के समापन समारोह में 48 टीमों के यादगार सफर का जश्न मनाया जाएगा। एमी, ग्रैमी, आस्कर और टोनी पुरस्कार विजेता जेनिफर हडसन फीफा विश्व कप फाइनल से पहले अमेरिका का राष्ट्रगीत गाएंगी। फीफा विश्व कप 2026 के मुख्य संचालन अधिकारी हेइमो शिरगी ने कहा, उद्घाटन समारोह की भावना को आगे बढ़ाते हुए समापन समारोह में संगीत, संस्कृति और फुटबॉल के जरिये फीफा विश्व कप 2026 का समापन किया जायेगा। इसके बाद उस बहुप्रतीक्षित मैच की शुरुआत होगी जो इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट के चैंपियन का फैसला करेगा।

अक्षर पटेल के धमाल से भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को रौंदा

टीम इंडिया ने 3 मैचों की सीरीज में बनाई 1-0 की अहम बढ़त

● बर्मिंघम / (एजेंसी)

इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा गए पहले वनडे में भारतीय क्रिकेट टीम ने 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज कर ली है। इस मैच में जीत के साथ ही टीम इंडिया ने यूके दौरे पर 6 हार के बाद अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 258 रन लगाए।

जिसके बाद टीम इंडिया ने शुभमन गिल , अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर की शानदार पारियों के दम पर इस मैच को 4 ओवर पहले ही जीत लिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। पहले वनडे मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 45.2 ओवरों में 4 विकेट खोकर 262 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय पारी की शुरुआत कुछ खास नहीं रही जब रोहित शर्मा महज 11 रन बनाकर आउट हो गए और विराट कोहली भी केवल 5 रन बनाकर चलते बने। गिल ने 75 गेंदों में 11 चौकों और 1 छक्के की मदद से 80 रनों की बेहतरीन पारी खेली।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	गेंद	4	6
डकेट कॉट बुमराह बो.ब्रार	43	45	6	2
बेथेल कॉट सुंदर बो. ब्रार	14	31	1	0
रूट नाबाद	76	76	6	1
ब्रूक कॉट रोहित बो.बुमराह	1	3	0	0
बटलर कॉट ब्रार बो.कृष्णा	5	14	0	0
करन कॉट राहुल बो.कृष्णा	0	3	0	0
जैक्स कॉट राहुल बो.दुबे	20	19	3	0
डॉसन कॉट रोहित बो.अक्षर	68	83	6	1
आर्चर कॉट सुंदर बो.अक्षर	12	6	1	1
रशीद स्टंप राहुल बो.अक्षर	1	5	0	0
टंग बो.अक्षर	0	2	0	0

अतिरिक्त: 18, कुल रन: 258-10 (47.5)

विकेट पतन: 61-1,63-2,64-3,80-4,80-5,107-6,228-7,250-8,258-9,258-10. गेंदबाज- बुमराह: 9-0-31-1, कृष्णा: 10-2-50-2, ब्रार: 9-0-61-2, दुबे: 6-0-27-1, सुंदर: 4-0-13-0, अक्षर: 9.5-0-62-4.

भारत	रन	गेंद	4	6
रोहित कॉट ब्रूक बो.करन	11	21	1	0
गिल रिटायर्ड हर्ट	80	75	11	1
कोहली एलबीडब्ल्यू बो.आर्चर	5	6	1	0
अय्यर रन आउट	35	53	2	0
सुंदर नाबाद	52	63	4	1
राहुल बो. टंग	1	3	0	0
अक्षर नाबाद	57	52	5	1

अतिरिक्त: 21, कुल रन: 262-4 (45.2)

बल्लेबाजी नहीं की: दुबे, ब्रार, बुमराह,कृष्णा विकेट पतन: 43-1,149-2,48-3,157-4,160-5. गेंदबाज- आर्चर: 10-0-60-1,टंग: 10-0-50-1, करन: 10-0-55-1,रशीद: 5.2-0-34-0, बेथेल: 1-0-10-0, डॉसन: 2-0-10-0, जैक्स: 7-0-43-0.

अक्षर ने किया शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन

इस मुकाबले में ऑलराउंडर अक्षर पटेल भारत की जीत के सबसे बड़े मसीहा साबित हुए। जब टीम को एक मजबूत फिनिश की जरूरत थी तब अक्षर ने बल्ले से तबाही मचाते हुए महज 52 गेंदों में 5 चौकों और 1 छक्के की मदद से नाबाद 57 रनों की धुआंधार पारी खेली और सुंदर के साथ मिलकर मैच को एकतरफा अंदाज में खत्म किया। बल्लेबाजी में इस शानदार प्रदर्शन से पहले अक्षर ने गेंद से भी कहर बरपाया था जहां उन्होंने अपनी फिरकी के जाल में फंसाकर इंग्लैंड के 4 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए।

इंग्लैंड ने सभी विकेट खोकर बनाए थे 258 रन

जो रूट और लियाम डॉसन के अर्धशतकों और 7वें विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की मदद से इंग्लैंड ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए 258 रन बनाए। इंग्लैंड का स्कोर 13वें ओवर तक बिना किसी नुकसान के 61 रन था। इसके बाद उसने 22वें ओवर तक 6 विकेट 107 रन पर गंवा दिए।

ट्रॉट बने आयरलैंड क्रिकेट टीम के नए सलाहकार

● बर्मिंघम / (एजेंसी)

क्रिकेट जगत से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट ने क्रिकेट आयरलैंड का हाथ थाम लिया है। वे एक शॉर्ट-टर्म कंसल्टेंसी भूमिका के तहत आयरलैंड की पुरुष टीम के साथ जुड़े हैं। गौरतलब है कि ट्रॉट का नाम इन दिनों इंग्लैंड की टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद की रेस में सबसे आगे चल रहा है, क्योंकि सोमवार को ही ब्रेंडन मैकुलम को इंग्लैंड के टेस्ट कोच पद से बर्खास्त किया गया है। जोनाथन ट्रॉट का आयरलैंड टीम के साथ यह कार्यकाल बेहद सीमित समय के लिए होगा।

पंजाबी रेसलर शेरा के कड़े प्रहार को नहीं झेल सके डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन

एक वार में जमीन पर गिर पड़े जैक हेजर

● फिरोजपुर / (एजेंसी)

पंजाब के फिरोजपुर निवासी रेसलर अमनप्रीत सिंह उर्फ महाबली शेरा ने पावर स्लैप प्रतियोगिता में बड़ा उलटफेर करते हुए डब्ल्यूडब्ल्यूई के पूर्व वर्ल्ड हेवीवेट चैंपियन जैक हेजर को नॉकआउट कर दिया।

लास वेगास में 10 जुलाई को हुए पावर स्लैप-21 मुकाबले में शेरा के जोरदार थप्पड़ के बाद हेजर जमीन पर गिर पड़े और दोबारा खड़े नहीं हो सके। मुकाबले के शुरुआती दो राउंड में जैक हेजर बढ़त बनाए हुए थे, लेकिन तीसरे राउंड में शेरा के पहले ही थप्पड़ ने मैच का रुख बदल दिया। रेफरी ने हेजर को नॉकआउट घोषित करते हुए शेरा को विजेता घोषित किया। जीत के बाद शेरा ने अपनी टी-शर्ट उतारकर जश्न मनाया। अमनप्रीत सिंह इससे पहले टीएनए रेसलिंग, डब्ल्यूडब्ल्यूई एनएक्सटी और ओवीडब्ल्यू हेवीवेट में हिस्सा ले चुके हैं।

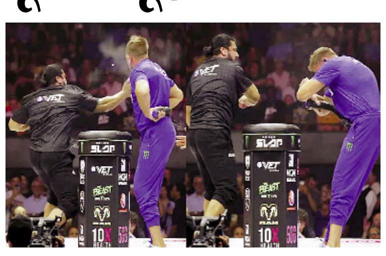

भारतीय टीम से अलग होना चाहते हैं कोच रयान डोएशे

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

असिस्टेंट कोच रयान टेन डोएशे टीम इंडिया से नाता तोड़ना चाहते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज उनका आखिरी असाइनमेंट हो सकती है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और हेड कोच गौतम गंभीर ने अभी तक रयान को हरी झंडी नहीं दी है।

नीदरलैंड के पूर्व क्रिकेटर रयान दो साल से भारतीय टीम से जुड़े हैं। उनके कॉन्ट्रैक्ट में विस्तार का प्रावधान है। एक रिपोर्ट के अनुसार, रयान बीसीसीआई को जिम्मेदारी छोड़ने की इच्छा के बारे में पहले ही बता चुके है। सूत्रों का कहना है कि उनके फैसले के पीछे कई कारण हैं लेकिन नौकरी से नाखुशी जैसी चीज नहीं। ऐसे में कहा जा सकता है कि अगर उनका टीम से नाता टूटा तो यह आपसी सहमति से एक सौहार्दपूर्ण विदाई होगी। नीदरलैंड्स के पूर्व खिलाड़ी का बीसीसीआई के साथ शुरुआती कॉन्ट्रैक्ट पूरा हो चुका है।

सिंधू जापान ओपन के दूसरे दौर में पहुंचीं

● तोक्यो / (एजेंसी)

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के कंधे की समस्या के कारण उन्हें और चिराग शेट्टी को मंगलवार को यहां जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में मैच के बीच से हटना पड़ा जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई।

सात्विक और चिराग की विश्व में चौथे नंबर की जोड़ी ने सिंगापुर ओपन जीतकर दो साल से चले आ रहे खिताबी सूखे को खत्म किया था। इसके बाद उन्होंने इंडोनेशिया ओपन में भाग नहीं लिया था। जापान ओपन में उन्होंने डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड से पहला गेम 19-21 से हारने के बाद हटने का फैसला किया। भारतीय टीम के मुख्य युगल कोच टैन किम हर ने कहा कि भारतीय जोड़ी अगले सप्ताह होने वाले चीन ओपन में हिस्सा नहीं लेगी और अगस्त में भारत में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए अपनी फिटनेस हासिल करने के लिए चोट से उबरने की प्रक्रिया पर ध्यान देंगी।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
370 = 0	680 = 4
133 = 7	368 = 7
शुभांक	
दिन	रात
677 = 0	127 = 0
678 = 1	389 = 0
भाग्यांक	
2 5	8 9

www.kalyangame.com

तीन जूडो खिलाड़ी भारतीय टीम में चयनित

● भोपाल / (एजेंसी)

भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), भोपाल के तीन खिलाड़ियों के एशियाई कैडेट जूडो चैंपियनशिप 2026 के लिए भारतीय टीम में चयन किया गया है। यह प्रतियोगिता 14 से 18 जुलाई तक अम्मान, जॉर्डन में आयोजित की जाएगी। भारतीय टीम के लिए चयनित खिलाड़ियों में हर्षवर्धन पुरुष -60 किग्रा, वैभव सैनी पुरुष -73 किग्रा और आकांक्षा श्रीवास्तव महिला -70 किग्रा शामिल हैं। तीनों खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपने निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासित प्रशिक्षण और दृढ़ संकल्प के बल पर भारतीय दल में स्थान बनाया है। इनका चयन एसएआई एनसीओई भोपाल में उपलब्ध उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण व्यवस्था की गुणवत्ता को दर्शाता है । एसएआई सीआरसी भोपाल के क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक सिंह चौहान ने सभी खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

चार खिलाड़ियों का भारतीय टीम में हुआ चयन

अब एशिया में गूंजेगी मप्र की हॉकी प्रतिभा

● भोपाल / (एजेंसी)

मध्यप्रदेश राज्य हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। पुरुष वर्ग में आयुष रजक (गोलकीपर) एवं करण गौतम तथा महिला वर्ग में महक परिहार (गोलकीपर) एवं नौशीन नाज (फॉरवर्ड) का भारतीय टीम में चयन यूथ हॉकी5एस एशियन चैंपियनशिप-2026 के लिए हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 20 से 25 जुलाई तक मस्कट, ओमान में आयोजित होगी। पुरुष वर्ग की भारतीय हॉकी टीम में आयुष रजक और करण गौतम का चयन किया गया है वहीं महिला वर्ग में महक परिहार और नौशीन नाज को भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

काव्या मारन और अनिरुद्ध नवंबर में ले सकते हैं 7 फेरे

एसआरएच की सह मालकिन की शादी की चर्चा तेज

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद की सह-मालकिन काव्या मारन और मशहूर संगीतकार एवं गायक अनिरुद्ध रविचंदर इसी वर्ष नवंबर में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि, दोनों की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हाल ही में अनिरुद्ध रविचंदर के चाचा और अभिनेता वाई.जी. महेंद्र ने हाल ही में एक इंटरव्यू में संकेत दिया था कि परिवार में शादी की तैयारियां चल रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनिरुद्ध और काव्या की शादी तमिल सुपरस्टार रजनीकांत की आगामी फिल्म जेलर 2 की रिलीज के बाद नवंबर में हो सकती है। हालांकि, इस संबंध में परिवार या दोनों की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। दोनों के रिश्ते की चर्चाएं वर्ष 2022 से लगातार सामने आती रही हैं।

बड़ा खुलासा शोएब अख्तर, अफरीदी और मोहम्मद आसिफ जैसे बड़े क्रिकेटरों पर आरवीएस मणि ने किया खुलासा

भारत में क्रिकेट के बहाने ड्रग्स की तस्करी करते थे पाक क्रिकेटर

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

पाकिस्तानी क्रिकेटर मैदान पर और उसके बाहर विवादों के लिए बदनाम हैं, अब उनकी एक और घिनौनी करतूत सामने आई है जिसने पूरे खेल जगत को शर्मसार कर दिया है।

पाकिस्तान के पूर्व बड़े क्रिकेटरों पर ड्रग्स तस्करी में शामिल होने का दावा किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के पूर्व अंडर सेक्रेटरी आरवीएस मणि ने एक इंटरव्यू में जो खुलासा किया है, उसने यह साफ कर दिया है कि पाकिस्तानी टीम के खिलाड़ी केवल क्रिकेट खेलने के बहाने भारत आते थे, जबकि उनका असली मकसद यहां ड्रग्स की स्मगलिंग करना होता था। एक पॉडकास्ट में आर.वी.एस. मणि ने आरोप लगाया कि भारत दौरे पर आने वाले पाकिस्तानी डेलिगेशन, जिनमें पत्रकार और हाई-प्रोफाइल क्रिकेटर्स भी शामिल थे, भारत में ड्रग्स की तस्करी करते थे। उन्होंने साल 2006 के आसपास भारत आए एसएएफएमए डेलिगेशन का जिक्र करते हुए कहा कि भारत में ड्रग्स धकेलना हमेशा से पाकिस्तान की आधिकारिक और सोची-समझी नीति का हिस्सा रहा है। क्रिकेट फैंस के लिए यह काफी हैरान करने वाला है।

निजी इस्तेमाल का बनाते थे बहाना

बातचीत के दौरान आरवीएस मणि ने सीधे तौर पर शोएब अख्तर और मोहम्मद आसिफ जैसे मशहूर पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों का नाम लिया। उन्होंने दावा किया कि ऐसे मामले सामने आए थे जहां इन क्रिकेटरों को खुद यह कबूल करने के बाद कि वे ड्रग्स ले जा रहे थे, जिसके बाद उन्हें पाकिस्तानी हाई कमिशन द्वारा वापस भेज दिया गया था। हालांकि, उस समय इसे निजी इस्तेमाल का नाम देकर मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की गई थी, लेकिन मणि के अनुसार यह केवल एक बहाना था। उन्होंने आगे कहा कि सलीम मलिक और शाहिद अफरीदी जैसे अन्य हाई-प्रोफाइल खिलाड़ी भी इस तरह की गतिविधियों से जुड़े थे।

कोच बॉब वूल्मर ने किया था विरोध

इस बातचीत में सबसे हैरान करने वाला दावा पाकिस्तान टीम के तत्कालीन कोच बॉब वूल्मर की मौत को लेकर किया गया। पूर्व सरकारी अधिकारी ने संकेत दिया कि इंग्लिश कोच बॉब वूल्मर ने पाकिस्तानी क्रिकेटरों द्वारा की जा रही इस ड्रग तस्करी का कड़ा विरोध किया था, जिसके ठीक बाद मार्च 2007 में वेस्टइंडीज में संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई थी। मणि ने कहा कि यदि इन सभी कड़ियों को आपस में जोड़ा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि ड्रग रैकेट का विरोध करने के कारण ही वूल्मर को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।आरवीएस मणि ने रक्षा खुफिया एजेंसी के तत्कालीन अनुमानों का हवाला देते हुए बताया कि उस दौर में भारत में होने वाले लगभग 30 प्रतिशत आतंकी हमलों की फंडिंग सीधे तौर पर इसी ड्रग ट्रैफिकिंग के जरिए होती थी।

गुप्त नवरात्रि में नहीं करने चाहिए ये काम

हिंदू धर्म में नवरात्रि का पर्व विशेष श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। वर्ष में कुल चार बार नवरात्रि आती है. इनमें से दो को प्रकट नवरात्रि और दो को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। प्रकट नवरात्रियों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधिपूर्वक पूजा की जाती है, जबकि गुप्त नवरात्रि तंत्र साधना और 10 महाविद्याओं की उपासना के लिए जानी जाती है। गुप्त नवरात्रि विशेष रूप से साधकों और तांत्रिक साधनाओं से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत फलदायी मानी जाती है। इस वर्ष आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि 15 जुलाई 2026 से शुरू होकर 23 जुलाई 2026 तक चलेगी।

गुप्त नवरात्रि में भूलकर भी न करें ये गलतियां

तामसिक भोजन का परहेज करें
इस दौरान मांसाहार, लहसुन-प्याज और शराब जैसे तामसिक आहार पूरी तरह से वर्जित माने जाते हैं। शुद्ध सात्विक भोजन ही ग्रहण करें।

ज्वार न बोएं

सामान्य नवरात्रि में घटस्थापना के समय ज्वार बोने की परंपरा होती है, लेकिन गुप्त नवरात्रि में इसे वर्जित माना गया है। ऐसा करना पुण्य की जगह पाप का कारण बन सकता है।

रौद्र रूप की मूर्ति या तस्वीर न लगाएं

मां के उग्र या रौद्र रूपों की तस्वीर गुप्त नवरात्रि के दौरान पूजन स्थल पर न लगाएं। इससे साधना में विघ्न आ सकता है।

दक्षिण दिशा की यात्रा न करें

गुप्त नवरात्रि के दौरान दक्षिण दिशा की यात्रा को अशुभ माना जाता है। संभव हो तो इस दिशा में जाने से बचें।
गुप्त नवरात्रि की साधना बेहद शक्तिशाली मानी जाती है, लेकिन इसके साथ ही यह अनुशासन और सावधानी की भी मांग करती है। जो साधक विधिवत और नियमपूर्वक इसका पालन करते हैं, उन्हें मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

कब से शुरू होगी आषाढ़ गुप्त नवरात्रि?

तिथि और घटस्थापना मुहूर्त

आषाढ़ मास में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन गुप्त नवरात्रि की शुरुआत होती है। चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। वहीं, गुप्त नवरात्रि में देवी की दस महाविद्याओं की साधना की जाती है। इस दौरान तांत्रिक, अघोरी तंत्र मंत्र और सिद्धि प्राप्त करते हैं। ऐसे में गुप्त नवरात्रि का महत्व बहुत विशेष होता है। इस दौरान देवी की साधना करने से मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती है।

आषाढ़ मास आरंभ हो चुका है। इस महीने में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत हो जाती है। पूरे वर्ष में चार नवरात्रि आती हैं, जिनमें से एक गुप्त नवरात्रि होती है। हिंदू धर्म में इन नौ दिनों का बहुत खास महत्व होता है। एक गुप्त नवरात्रि माघ में भी आती है। मान्यता है कि ये नवरात्रि सिद्धि और साधना के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। साथ ही, तंत्र मंत्र के साधक की इन दिनों में विशेष रूप से साधना रखते हैं। गुप्त नवरात्रि लोगों के बीच ज्यादा प्रचलित नहीं है, जिसके पीछे का कारण यही है कि इसमें तंत्र मंत्र के साधक ज्यादा साधना रखते हैं। माना जाता है कि इस दौरान मां दुर्गा और उनकी 10 महाविद्याओं की पूजा करने से व्यक्ति को विशेष फल की प्राप्ति हो सकती है।

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की तिथियां

साल 2026 में आषाढ़ गुप्त नवरात्रि 15 जुलाई से शुरू होकर 22 जुलाई तक रहेगी। इसके बाद 23 जुलाई को व्रत का पारण किया जाएगा। खास बात यह है कि इस बार तीसरा और चौथा नवरात्र एक ही दिन, 17 जुलाई को पड़ रहा है।

घटस्थापना का शुभ समय

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 14 जुलाई को दोपहर 03:12 बजे आरंभ होकर 15 जुलाई को सुबह 11:50 बजे समाप्त होगी। ऐसे में घटस्थापना का शुभ मुहूर्त 15 जुलाई 2026 को सुबह 05:33 बजे से 10:09 बजे तक रहेगा।

गुप्त नवरात्रि का महत्व

धार्मिक दृष्टि से गुप्त नवरात्रि का विशेष महत्व बताया गया है। माना जाता है कि इस दौरान किए गए व्रत और साधना से भक्तों की मनोकामनाएं शीघ्र पूर्ण होती हैं। प्राचीन समय में इस नवरात्रि का ज्ञान केवल ऋषि-मुनियों और साधकों तक सीमित था। वे इस काल में दस महाविद्याओं की उपासना कर विशेष आध्यात्मिक शक्तियां प्राप्त करने का प्रयास करते थे।

आषाढ़ मास गुप्त नवरात्रि नियम

माना जाता है कि भूलकर भी गुप्त नवरात्रि में तामसिक भोजन जैसे- मांस, प्याज, लहसुन आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही, इस अवधि के दौरान मदिरा से भी दूरी बनाकर रखनी चाहिए और किसी भी प्रकार के क्रोध व विवाद में नहीं पड़ना चाहिए। गुप्त नवरात्रि में बाल और नाखून काटने भी वर्जित माना जाता है। ऐसे में इन दिनों में गलती से भी ये दो कार्य नहीं करने चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। मान्यता है कि गुप्त नवरात्रि में भूलकर भी चमड़े से बनी चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। साथ ही, इससे बनी चीजों को धारण भी नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है।
कहा जाता है नवरात्रि में दिन के समय सोना और बिस्तर पर सोना भी वर्जित होता है। खासतौर पर जो लोग नवरात्रि का व्रत रखते हैं उन्हें जमीन पर बिस्तर लगाकर सोना चाहिए। गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की साधनाआषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि में सामान्य लोग मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा अर्चना करते हैं। इसके अलावा, तांत्रिक, अघोरी तंत्र मंत्र और सिद्धि प्राप्त करते हैं। ये सभी देवी की दस महाविद्याओं की साधना करते हैं, जिन्हें बहुत शक्तिशाली माना जाता है। मान्यता है कि जिस व्यक्ति पर देवी की कृपा होती है, उसे किसी भी संकट का सामना नहीं करना पड़ता है। साथ ही, ऐसे लोगों के लिए दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं रहता है। देवी की दस महाविद्याएं इस प्रकार हैं- माता धूमावती देवी, माता काली देवी, माता त्रिपुरा देवी, तारा देवी, माता षोडशी देवी, माता छिन्नमस्ता देवी, भुवनेश्वरी देवी, माता बगलामुखी देवी, माता कमला देवी और माता मातंगी देवी।

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि पर 12 साल बाद दुर्लभ योग

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि 15 जुलाई 2026 से शुरू हो रही है. इसका समापन 23 जुलाई को होगा. इस बार गुप्त नवरात्र 9 दिन की होगी. तांत्रिक साधना के लिए ये समय अचूक माना जाता है. मार्कण्डेय पुराण (दुर्गा सप्तशती), देवी भागवत महापुराण, रुद्रयामल तंत्र, शक्तिसंगम तंत्र, तंत्रसार आदि शाक्त ग्रंथों में गुप्त नवरात्रि का वर्णन मिलता है. इस नवरात्रि में साधक अपनी साधना को गोपनीय रखते हैं. इस बार गुप्त नवरात्रि पर कई दुर्लभ संयोग बन रहे हैं।

12 साल बाद बन रहा है दुर्लभ संयोग

इस वर्ष गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ अत्यंत शुभ और दुर्लभ ज्योतिषीय संयोगों के बीच हो रहा है. 15 जुलाई को बुधवार के दिन पुष्य नक्षत्र रहेगा और चंद्रमा कर्क राशि में विराजमान होंगे. इसी दौरान चंद्रमा और गुरु की युति से गजकेसरी योग का निर्माण होगा. चूंकि गुरु लगभग 12 वर्ष बाद पुन: इसी राशि में आते हैं, इसलिए यह संयोग विशेष महत्व रखता है. इसके साथ ही गुप्त नवरात्रि की शुरुआत गजकेसरी योग और बुध-पुष्य योग के शुभ संयोग में होगी, जो साधना, मंत्र सिद्धि और शुभ कार्यों के लिए अत्यंत फलदायी मानी जाती है. इतना ही नहीं, पूरे गुप्त नवरात्रि काल में 2 सर्वार्थ सिद्धि योग और 3 रवि योग भी बनेंगे, जिससे इस पर्व का धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व कई गुना बढ़ जाएगा.

किन देवियों की होती है पूजा

शत्रु बाधा, ग्रह दोष और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा के लिए गुप्त नवरात्रि में दशमहाविद्याओं काली, तारा, त्रिपुरसुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी की विशेष उपासना की जाती है.

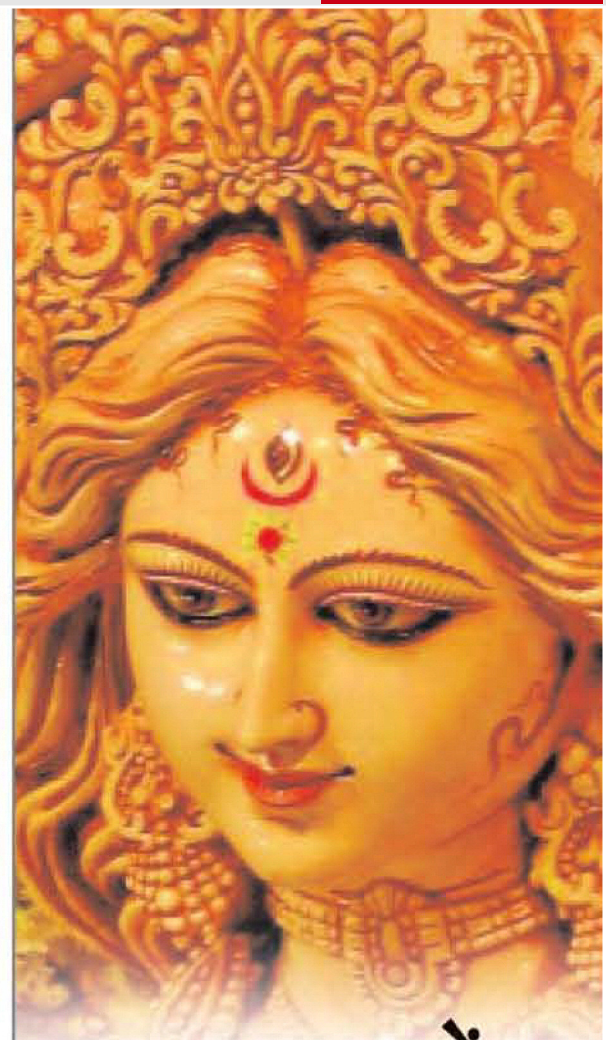

गुप्त नवरात्र में इन बातों का रखें ध्यान

गुप्त नवरात्र का पर्व सनातन धर्म में बहुत शुभ माना जाता है जो मां दुर्गा की पूजा के लिए समर्पित है। इस दौरान देवी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और रोग-दोष दूर होते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल गुप्त नवरात्र कब शुरू होगी?

सनातन धर्म में नवरात्र का पर्व बहुत शुभ माना जाता है। यह मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा के लिए समर्पित है। गुप्त नवरात्र को तंत्र-मंत्र और गुप्त सिद्धियों के लिए विशेष माना जाता है। इस दौरान देवी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कहते हैं कि इस दौरान कठिन उपवास करने से सभी तरह के रोग-दोष दूर होते हैं।

15 जुलाई से शुरू होगी गुप्त नवरात्र

साल 2026 में आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि 15 जुलाई 2026 से शुरू होकर 23 जुलाई 2026 तक चलेगी। यह साधना, तंत्र-मंत्र और देवी दुर्गा की दस महाविद्याओं की उपासना के लिए अत्यंत गुप्त और शक्तिशाली मानी जाती है।

इन बातों का रखें ध्यान

- इन नौ दिनों में मांसाहार, प्याज, लहसुन और अन्य तामसिक भोजन का सेवन बिल्कुल न करें।
- नवरात्र के दौरान बाल और नाखून काटने से बचें।
- चमड़े से बनी वस्तुओं जैसे बेल्ट, पर्स आदि का प्रयोग न करें।
- घर में शांति और सकारात्मक माहौल बनाए रखें।
- लड़ाई-झगड़े, बहस और अपशब्दों का प्रयोग बिल्कुल न करें।
- व्रती दिन में सोने से बचें।
- मन में किसी के प्रति बुरे विचार न लाएं।
- इन नौ दिनों में ब्रह्मचर्य का पालन करें।
- देवी की पूजा पूरे विधि-विधान से करें।
- पूजा सामग्री और विधि में किसी भी तरह की कमी न छोड़ें।
- स्त्री का अपमान भूलकर भी न करें।

मां की 8 भुजाएं, त्रिनेत्र क्यों हैं किस चीज का देते हैं संकेत

गुप्त नवरात्र आषाढ़ माह में 15 जुलाई से शुरू हो रहे हैं। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। मां दुर्गा के हर रूप की अपनी विशेषता है। उनकी आठ भुजाएं हर दिशा से भक्तों की रक्षा करने का संकेत देती हैं जिनमें अलग-अलग अस्त्र और शस्त्र होते हैं।

गुप्त नवरात्र माघ और आषाढ़ माह में मनाए जाते हैं। इस साल अषाढ़ के गुप्त नवरात्र 15 जुलाई से शुरू हो रहे हैं। नवरात्र के 9 दिन मां के नौ रूपों की पूजा की जाती है। उन्हें अम्बे, जगदम्बे, शेरावाली, पहाड़ावाली विभिन्न नामों से पुकारा जाता है। मां दुर्गा ने ये 9 रूप अलग-अलग वजहों से लिए। हर रूप में वह भक्तों का कल्याण करती हैं। इन नौ दिनों में अखंड ज्योति जलाकर मां का ध्यान और आराधना करने से समस्त दुखों का नाश होता है। इस मौके पर चलिए जानते हैं उनके रूप में उनकी भुजाओं, त्रिनेत्र का क्या संकेत है।

मां दुर्गा के हैं 9 रूप

नवरात्रि में हर दिन मां दुर्गा के अलग रूप की पूजा की जाती है। उनके नौ रूप नौ महाविद्याओं को दर्शते हैं। प्रथम शैलपुत्री, दूसरा ब्रह्मचारिणी, तीसरा चंद्रघंटा, चौथा कूष्मांडा, पांचवां स्कंदमाता, छठवां कात्यायनी, सातवां कालरात्रि, आठवां महागौरी और नौंवा सिद्धिदात्री का रूप उन्होंने लिया है। हर रूप एक खास गुण और शक्ति का प्रतीक है।

शक्ति के बिना अधूरे हैं शिव

शिव और शक्ति एक-दूसरे के पूरक है। दोनों के मिलन से ही सृष्टि की रचना और संचालन होता है। शिव के बिना शक्ति निष्क्रिय हैं, और शक्ति बिना शिव के स्थिर नहीं हो सकते हैं। शिव जहां स्थिरता, ध्यान, और संहारक के रूप में जाने जाते हैं। वहीं, शक्ति, शिव की ऊर्जा है, जो ब्रह्मांड की रचना, पालन और संहार का कारण बनती हैं।

आठ दिशाओं से करती हैं रक्षा

मां दुर्गा की मूर्तियों में 8 हाथ दिखाए जाते हैं। हर हाथ में अलग-अलग अस्त्र और शस्त्र होते हैं, जो बुराई से लड़ने के प्रतीक के रूप में दिखाए जाते हैं। मां की अष्ट भुजाएं यह संकेत देती हैं कि वह अपने भक्तों की हर दिशा से रक्षा करती हैं। वह 'त्रिनेत्रधारी' भी कही जाती हैं। उनकी बाई आंख चंद्रमा का प्रतीक है, जो शांति और प्रेम से परिपूर्ण है। दाई आंख सूर्य का प्रतीक जो ऊर्जा और शक्ति देती है। वहीं, तीसरी आंख अग्नि का प्रतीक है, जो बुराई को नष्ट करने वाली ताकत का प्रतीक है।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630